दस गुना कहानियाँ: हर कहानी में एक दुनिया

वर्धन त्रिवेदी

कॉपीराइट पेज

कॉपीराइट © 2025 वर्धन त्रिवेदी द्वारा

सर्वाधिकार सुरक्षित।

इस पुस्तक के किसी भी भाग को प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना पुनरुत्पादित, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से - इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या अन्यथा - प्रसारित नहीं किया जा सकता है, सिवाय आलोचनात्मक समीक्षाओं या लेखों में प्रयुक्त संक्षिप्त उद्धरणों के।

प्रकाशक: वर्धन त्रिवेदी

वेबसाइट :https://3161वर्धनत्रिवेदी.wixsite.com/दस गुना-कहानियाँ

आईएसबीएन:9798314246580

कवर डिज़ाइन: लेखक

अमेरिका में मुद्रित

जानकारी के लिए वेबसाइट के माध्यम से संपर्क करें-

प्रस्तावना

दस गुना कहानियों में कदम रखें: हर कहानी में एक दुनिया, वर्धन त्रिवेदी द्वारा एक आकर्षक संग्रह, एक निपुण लेखक जो कहानी कहने में पाँच साल की महारत रखते हैं। प्रत्येक कहानी रहस्य, बुद्धि और साज़िश से भरी एक दुनिया को उजागर करती है, जिसमें सुंदर तथ्य और मनोरंजक जासूसी रहस्य शामिल हैं। रहस्यमय मामलों को सुलझाने से लेकर छायादार पात्रों की मानसिकता में उतरने तक, ये कहानियाँ आपकी बुद्धि को चुनौती देने, आपकी कल्पना को जगाने और आपको अंतिम शब्द तक बांधे रखने का वादा करती हैं।

मन लगाकर पढ़ाई करो...।

अंतर्वस्तु

अध्याय 1: ऐलिस हार्पर की क्रिस्टलीय छाया...पृष्ठ 6-11

अध्याय 2: ग्लिमर रिज की खामोश छायाएँ...पृष्ठ 12-17

अध्याय 3: भूली हुई सुरंग..पृष्ठ 18-24

अध्याय 4: चमकती रोशनी...पृष्ठ 25-31

अध्याय 5: रेसिंगटन गोला बारूद किट...पृष्ठ 32-38

अध्याय 6: एन्सेंसी कटाना...पृष्ठ 39-46

अध्याय 7: एंडीज़ में एक सस्पेंसपूर्ण लड़ाई..पृष्ठ 47-55

अध्याय 8: स्नाइपर की नज़र..पृष्ठ 56-62

अध्याय 9: भूमिगत रहस्य..पृष्ठ 63-75

अध्याय 10: कोस्टा रिकन षड्यंत्र...पृष्ठ 76-79

कार्रवाई का आह्वान और लेखक का नोट..पृष्ठ 80-81

अध्याय 1

एलिस हार्पर की क्रिस्टलीय छाया

डीक्लरी रेनॉल्ड्स अपनी चरमराती चमड़े की कुर्सी पर पीछे झुकी हुई थी, और बारिश से भीगी खिड़की से बाहर देख रही थी। टिमटिमाते डेस्क लैंप की मंद रोशनी कमरे पर लंबी छाया डाल रही थी, जिससे कार्यालय उदास, लगभग क्लॉस्ट्रोफोबिक महसूस हो रहा था। कांच पर बारिश की लगातार टपकती आवाज़ ही एकमात्र आवाज़ थी, जिसे हीटिंग सिस्टम की कभी-कभार की फुफकार ने रोक दिया था। घंटों बीत चुके थे, और फिर भी क्लरी का दिमाग उसके सामने रखे गए मामले को समझने से इनकार कर रहा था। एक और लापता व्यक्ति। अनुत्तरित प्रश्नों से भरे शहर में हताशा की एक और कहानी।

फ़ाइल के शीर्ष पर लिखे नाम ने उसका ध्यान खींचा: एलिस हार्पर। एक प्रसिद्ध कलाकार जिसकी शानदार अमूर्त कृतियों ने हाल ही में उसे सुर्खियों में ला दिया था। दो हफ़्ते पहले, वह बिना किसी निशान के गायब हो गई थी। कोई फिरौती का नोट नहीं। कोई गवाह नहीं। कोई स्पष्टीकरण नहीं। बस उसके चित्रफलक पर लिखा एक परेशान करने वाला संदेश: "अतीत कभी नहीं जाता।"

क्लैरी ने सिगरेट से धीरे से कश लिया, उसकी आँखें सिकुड़ गईं जब उसने शब्दों को फिर से पढ़ा। वाक्यांश में कुछ था - कुछ ऐसा जो हवा में लटका हुआ था, जैसे कि एक पहेली का टुकड़ा जो फिट होने से इनकार कर रहा था।

उसके विचारों में बाधा उत्पन्न हुई जब दरवाजे पर हल्की दस्तक हुई। सहज रूप से, क्लैरी ने अपनी डेस्क की दराज में रिवॉल्वर की ओर हाथ बढ़ाया - हालाँकि वह जानती थी कि यह शायद एक अतिशयोक्ति थी। दरवाजा चरमराया और एक लंबा, अच्छी तरह से तैयार आदमी अंदर आया - मार्क रॉबिन्सन, एलिस का मंगेतर।

"जासूस रेनॉल्ड्स," उसने कहा, उसकी आवाज़ मधुर थी लेकिन शांत हताशा से भरी हुई थी। "मुझे उम्मीद है कि मैं बीच में नहीं बोल रहा हूँ।"

क्लैरी ने दीवार पर लगी घड़ी पर नज़र डाली। देर हो चुकी थी, लेकिन उसे कोई फ़र्क नहीं पड़ा। उसे मदद की ज़रूरत वाले किसी भी व्यक्ति को वापस भेजने का कोई इरादा नहीं था। "आप मुझे परेशान नहीं कर रहे हैं, मि. रॉबिन्सन। कृपया, बैठ जाइए।"

वह उसके सामने बैठ गया, उसकी उंगलियाँ घबराहट में अपनी टाई ठीक कर रही थीं। उसका शांत बाहरी रूप सतह के नीचे पनप रहे तूफान को प्रकट कर रहा था। "मुझे नहीं पता कि और किससे संपर्क करना है। पुलिस ने कोई प्रगति नहीं की है। मुझे डर है... मुझे सबसे बुरा होने का डर है। तुम हमारी आखिरी उम्मीद हो।"

क्लैरी ने उसे ध्यान से देखा। उसके व्यवहार में कुछ ऐसा था जो उसे बेचैन कर रहा था - एक ऐसे व्यक्ति के लिए बहुत नियंत्रित जिसकी मंगेतर बिना किसी निशान के गायब हो गई हो। लेकिन क्लैरी ने पहली छाप से फैसला नहीं करना सीखा था। उसने उसे जारी रखने का इशारा किया।

“क्या तुमने ऐलिस के परिवार से बात की है?” उसने मापा हुआ स्वर में पूछा।

मार्क हिचकिचाया, उसके चेहरे पर झुंझलाहट की झलक थी। "हाँ, लेकिन उन्हें कुछ भी पता नहीं है। ऐलिस उनके करीब नहीं थी। वह उनसे दूरी बनाए रखना पसंद करती थी। यही कारण है कि मैं इतना चिंतित हूँ - वह... वह अपने गायब होने से पहले के दिनों में खुद नहीं थी।"

क्लैरी ने आगे झुककर जिज्ञासा से पूछा, "क्या मतलब है तुम्हारा? वह कैसा व्यवहार कर रही थी?"

मार्क की निगाहें काली पड़ गईं, उसकी उंगलियाँ उसकी आस्तीन के कफ़ से टकराने लगीं। "वह अतीत के बारे में बात करती रही। उन चीज़ों के बारे में जो बहुत समय पहले हुई थीं, ऐसी चीज़ें जिनसे वह बच नहीं सकती थी। वह कहती रही कि कुछ लोग हैं... ऐसी चीज़ें जो उसे जाने नहीं देतीं। मुझे लगा कि यह सिर्फ़ तनाव है, लेकिन अब, मैं इतना निश्चित नहीं हूँ।"

क्लैरी की रीढ़ में ठंडक दौड़ गई। यह पहली बार नहीं था जब उसने किसी के गायब होने के बारे में सुना था क्योंकि वे किसी चीज़ से भाग रहे थे - या कोई - जो उन्हें भागने नहीं दे रहा था। "मुझे उसकी कला के बारे में और बताओ। क्या गायब होने से पहले वह जिन कलाकृतियों पर काम कर रही थी, उनमें कुछ असामान्य था?"

मार्क का चेहरा यादों के साथ तनावग्रस्त हो गया। "उसका नवीनतम काम... यह अलग था। गहरा। बेचैन करने वाला। इसमें प्रतीक थे - अजीब, रहस्यमय प्रतीक जो अमूर्त पैटर्न में बुने गए थे। पहले, मुझे लगा कि यह सिर्फ़ एक दौर था, लेकिन अब... अब, मैं यह सोचने से

खुद को नहीं रोक पा रहा हूँ कि क्या यह उसके लापता होने से जुड़ा है।"

प्रतीकों का ज़िक्र आते ही क्लैरी का दिमाग़ तेज़ हो गया। "उसका स्टूडियो कहाँ है?"

"उसने शहर के बीचों-बीच एक मचान किराए पर लिया है," मार्क ने जवाब दिया, उसकी आवाज़ चिंता से भरी हुई थी। "अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें वहाँ ले जा सकता हूँ।"

लॉफ्ट शहर के किनारे एक ढहती हुई इमारत में स्थित था। क्लैरी के अंदर कदम रखते ही दरवाज़ा खुला, तेल के रंग, धूल और उपेक्षा की बासी हवा की जानी-पहचानी गंध ने उसका स्वागत किया। जगह में अजीब तरह की शांति थी, कोने में एक पुराने रेफ्रिजरेटर की हल्की-सी आवाज़ को छोड़कर। दीवारों पर बड़े-बड़े अधूरे कैनवस टिके हुए थे, जिनके किनारे उम्र के कारण मुड़े हुए थे। लेकिन दूर की दीवार पर लगी विशाल पेंटिंग ने तुरंत क्लैरी का ध्यान खींचा।

यह अराजक था - लाल, नील और आधी रात के नीले रंग के हिंसक भंवर कठोर, दांतेदार आकृतियों से टकरा रहे थे जो एक अजीब, अस्थिर

ऊर्जा से धड़कते हुए लग रहे थे। पागलपन के केंद्र में एक जटिल, घूमता हुआ प्रतीक था। क्लैरी की सांस उसके गले में अटक गई। वह उस प्रतीक को जानती थी। उसने इसे पहले भी देखा था - पुराने गुप्त ग्रंथों में, गुप्त समाजों के अनुष्ठानों में।

"यह वही टुकड़ा था जिस पर वह काम कर रही थी जब वह गायब हो गई?" क्लैरी ने पूछा, उसकी आवाज़ मुश्किल से फुसफुसाहट जैसी थी।

मार्क ने सिर हिलाया, उसकी नज़र पेंटिंग पर टिकी हुई थी। "हाँ। उसने इस पर कई सप्ताह बिताए, हर विवरण पर ध्यान दिया। उस समय मैं इसे समझ नहीं पाया था। लेकिन अब, मैं देख सकता हूँ... मैं देख सकता हूँ कि इसका मतलब सिर्फ़ कला से कहीं ज़्यादा था।"

क्लैरी कैनवास के करीब चली गई, उसकी उंगलियाँ पेंट के ठीक ऊपर मँडरा रही थीं। प्रतीक उसकी निगाहों के सामने चमक रहा था, लगभग जीवंत। इससे उसकी रीढ़ में ठंडक दौड़ गई, लेकिन उसने पीछे हटने की इच्छा को दबा लिया। उसे जवाब चाहिए थे।

उसकी आँखें कमरे में इधर-उधर घूम रही थीं, दीवारों पर किसी और चीज़ की तलाश कर रही थीं जो सुराग दे सके। फिर, उसकी नज़र एक

छोटी चमड़े की जिल्द वाली नोटबुक पर पड़ी जो ईज़ल के बगल में एक मेज़ पर रखी हुई थी। उसने उसे ध्यान से उठाया और पन्नों को पलटने लगी। पहले तो लगा कि यह सिर्फ़ रेखाचित्रों की तरह है, लेकिन जैसे-जैसे वह पन्ने पलटती गई, रेखाचित्र अजीब होते गए—और ज़्यादा विकृत होते गए। चेहरे—मुड़े हुए, दुःस्वप्न जैसे चेहरे—एक ही रहस्यमय प्रतीक से जुड़े हुए। एक पन्ने के हाशिये पर, ऐलिस की साफ-सुथरी लिखावट में लिखा था: "अतीत कभी नहीं जाता।"

क्लैरी का दिल तेज़ी से धड़क रहा था। यह कोई साधारण गुमशुदा व्यक्ति का मामला नहीं था। ऐलिस यूँ ही गायब नहीं हो गई थी। वह किसी को चेतावनी देने की कोशिश कर रही थी। कोई महत्वपूर्ण बात। कोई भयावह बात।

वह मार्क की ओर मुड़ी। “क्या ये प्रतीक, ये चेहरे तुम्हारे लिए कुछ मायने रखते हैं?”

मार्क का चेहरा पीला पड़ गया, उसकी अभिव्यक्ति भ्रम और भय से विकृत हो गई। "नहीं... मुझे नहीं पता कि इसका क्या मतलब है। लेकिन अब, मुझे लगने लगा है कि एलिस जिस चीज़ से भाग रही थी, उसका उसके अतीत से कोई लेना-देना है।"

क्लैरी की सहज बुद्धि बहुत सतर्क थी। "क्या होगा अगर मैं तुम्हें बताऊँ कि ऐलिस अचानक गायब नहीं हो गई? क्या होगा अगर वह इसलिए चली गई क्योंकि उसके पास कोई विकल्प नहीं था?"

मार्क के चेहरे का रंग उड़ गया। “आप क्या सुझाव दे रहे हैं?”

क्लैरी ने गहरी साँस ली, उसकी आवाज़ दृढ़ और अडिग थी। "मुझे लगता है कि ऐलिस का पीछा किया जा रहा था - किसी व्यक्ति द्वारा नहीं, बल्कि किसी बहुत गहरे अंधेरे द्वारा। ये प्रतीक, उसकी कला - वह चेतावनी देने की कोशिश कर रही थी। वह अपने अतीत से कुछ भागने की कोशिश कर रही थी, कुछ ऐसा जो उसके चारों ओर क्रिस्टलीकृत हो रहा था, बंद हो रहा था।"

कमरे में हवा घनी होती जा रही थी, पहेली के टुकड़े आपस में जुड़ते ही उसकी छाती पर एक भारी बोझ सा पड़ रहा था। वह मार्क की ओर मुड़ी, उसकी आवाज़ धीमी लेकिन ज़रूरी थी। "तुमने कहा कि वह अपने अतीत से डरती थी। मुझे लगता है कि उसे खोजने की कुंजी यह पता लगाना है कि उसका अतीत क्या छिपा रहा है। क्या कोई था - कोई चीज़ - जिससे वह भाग रही थी?"

मार्क की आँखें सोच में डूब गईं। उसके होंठ खुल गए, लेकिन कोई शब्द नहीं निकला। फिर, उसे एहसास हुआ।

"मुझे लगता है कि हमें उसके अतीत में और गहराई से जाना चाहिए। इन प्रतीकों की जड़ें खोजें। हम सिर्फ़ ऐलिस की तलाश नहीं कर रहे हैं। यह वह छाया है जो उसका पीछा कर रही है।"

जब क्लैरी और मार्क उस उलझे हुए इतिहास का पता लगाने निकले, जिसके कारण ऐलिस गायब हो गई, तो क्लैरी को एक बात पक्की तौर पर पता थी: ऐलिस का अतीत महज एक छाया नहीं था - यह कुछ जीवंत था, कुछ भयावह था, और यह आसानी से जाने वाला नहीं था।

"द क्रिस्टलाइज़िंग शैडो ऑफ़ ऐलिस हार्पर" में दिखाया गया है कि कैसे एक समय की होनहार कलाकार ऐलिस आत्म-संदेह और बाहरी अपेक्षाओं से जूझती है। अपनी कलात्मक दृष्टि को पुनः प्राप्त करने की उसकी यात्रा एक रहस्यमय छाया से जुड़ी हुई है जो उसकी धारणाओं को चुनौती देती है। जब वह अपने आंतरिक भय का सामना करती है, तो ऐलिस को पता चलता है कि सच्ची रचनात्मकता भेद्यता को अपनाने से ही पनपती है।

जैसे-जैसे क्लैरी और मार्क ने ऐलिस के अतीत की गहराई में खोजबीन की, उन्हें रहस्यवाद से जुड़ा एक भयावह इतिहास मिला- एक ऐसा अतीत जिससे ऐलिस ने बचने की पूरी कोशिश की थी। रहस्यमय प्रतीक एक प्राचीन समाज से जुड़े थे, और ऐलिस की कला उस अतीत का एक खतरनाक प्रतिबिंब बन गई थी, एक चेतावनी जो अब स्पष्ट लग रही थी। अंतिम टकराव में, क्लैरी ने पाया कि ऐलिस सिर्फ भागी नहीं थी-

उसने खुद को छिपा लिया था, अपने नियंत्रण से परे शक्तियों द्वारा फँसा लिया था। उसका पीछा करने वाली छाया अब उन सभी पर मंडरा रही थी, और अंत में, ऐलिस का भाग्य एक अनसुलझी पहेली बनकर रह गया, उसकी चेतावनियाँ उनकी वास्तविकता के किनारों पर छाई रहीं।

अध्याय दो

ग्लिमर रिज की खामोश छाया

मैंत्रिसालीस गांव में, राजेंद्र जोनर ने अपने बैग की घिसी हुई चमड़े की पट्टियों को पकड़ रखा था, क्योंकि वह घने, बर्फ से ढके पेड़ों के बीच से गुज़र रहा था। उसकी साँस धीमी, कठिन साँसों में आ रही थी, ठंडी हवा उसके चेहरे पर सुइयों की तरह चुभ रही थी। पहाड़ की चोटियाँ उसके ऊपर मंडरा रही थीं, दूर और निर्मम, लेकिन वे उसकी चिंताओं में सबसे कम हो गई थीं। तूफ़ान उम्मीद से ज़्यादा तेज़ी से आया था, एक चीख़ती हुई, अथक शक्ति जिसने आगे के रास्ते को निगल लिया था।

उसके पीछे क्लाइज़ डेवलोफ़्ट लड़खड़ा रहा था, उसके जूते हर कदम पर बर्फ में धंस रहे थे। वह इसके लिए नहीं बना था, राजेंद्र की तरह नहीं। क्लाइज़ एक शहरी आदमी था - एक जासूस, तेज दिमाग और साधन संपन्न, लेकिन प्रकृति की क्रूर शक्तियों के लिए तैयार नहीं था जो उन्हें घेरे हुए थीं।

“चलते रहो, क्लाइज़,” राजेंद्र ने आवाज़ दी, उसकी आवाज़ तेज़ हवा को चीरती हुई आ रही थी। “तूफ़ान के और ज़्यादा खराब होने से पहले हमें आश्रय ढूँढ़ना होगा।”

क्लाइज़ की प्रतिक्रिया बमुश्किल सुनाई दे रही थी, एक तनावपूर्ण घुरघुराहट, लेकिन वह अपनी गति बढ़ाने में कामयाब रहा, उसकी आँखें व्यर्थ में पर्वत श्रृंखला को स्कैन कर रही थीं। दूसरी ओर, राजेंद्र का ध्यान उनके तत्काल अस्तित्व पर केंद्रित था - आश्रय, गर्मी, और कुछ खाने का वादा। उसने पहले भी इन पहाड़ों पर चढ़ाई की थी, लेकिन इस बार, उसे आशंका की भावना ने जकड़ लिया। इस तूफान में कुछ ऐसा था, कुछ ... अप्राकृतिक। वह इसे अपनी हड्डियों में गहराई से महसूस कर सकता था।

दोनों व्यक्तियों को एक अजीबोगरीब गुमशुदगी की जांच करने के लिए बुलाया गया था, एक ऐसा मामला जिसने क्षेत्र के सबसे अनुभवी जासूसों को भी हैरान कर दिया था। एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक, डॉ. बेनेडिक्ट फोर्शाँ, ग्लिमर रिज के दूरदराज के इलाकों में प्राचीन कलाकृतियों पर शोध करते समय बिना किसी निशान के गायब हो गए थे। उनका अंतिम संचार, जल्दबाजी में लिखा गया एक असंगत संदेश, "हवा में आवाज़ें" और "बर्फ में छाई छाया" की बात करता था। यह क्लाइज़ और राजेंद्र को पहाड़ों में भेजने के लिए पर्याप्त था, ठंड के एकांत में जवाब खोजने के लिए।

"क्या कोई आश्रय का संकेत है?" क्लाइज़ ने पूछा, उसकी आवाज़ ठंड से काँप रही थी।

राजेंद्र रुक गया, गिरती बर्फ के बीच से क्षितिज को देखते हुए। एक संकरी चट्टान नज़र आई, जिसकी नुकीली चट्टानें काले होते आसमान से टकरा रही थीं। यह ज़्यादा कुछ नहीं था, लेकिन इसने कुछ तो दिया- कड़कती हवा से बचने का आश्रय।

"वहाँ," राजेंद्र ने इशारा करते हुए कहा। "हम उस लटके हुए हिस्से से काम चला लेंगे। यह तंग होगा, लेकिन यह हमें ठंड से बचाएगा।"

वे चट्टानों की ओर तेज़ी से बढ़े, पेड़ों के बीच से बह रही हवा से संघर्ष करते हुए जो बहरा कर देने वाली चीख़ के साथ बह रही थी। जब वे आख़िरकार ऊपर की ओर पहुँचे, तो राजेंद्र सबसे पहले उसके नीचे खिसक गया, आश्रय के लिए आभारी। क्लाइज़ ने भी ऐसा ही किया, हालाँकि उसके कदम धीमे थे, उसकी साँसें उखड़ रही थीं और वह चट्टान की दीवार से टकरा गया।

दोनों आदमी एक दूसरे से लिपट गए, उनके चारों ओर का अँधेरा हर बीतते पल के साथ और भी घना होता जा रहा था। बाहर तूफ़ान लगातार जारी था, लेकिन छोटी सी छत के भीतर उन्हें सुरक्षा का एक अजीब सा अहसास हुआ - शायद एक भ्रम, लेकिन जिसकी उन्हें सख्त ज़रूरत थी।

"आपको क्या लगता है कि हमें और कितना आगे जाना होगा?" क्लाइड़ ने एक लम्बी चुप्पी के बाद धीमी और तनावपूर्ण आवाज़ में पूछा।

राजेंद्र ने अपना सिर हिलाया। "कहना मुश्किल है। तूफ़ान ने हमारी गति को मेरी अपेक्षा से ज़्यादा धीमा कर दिया है। लेकिन हम सुबह आगे बढ़ेंगे। सबसे पहले, हमें आराम करने की ज़रूरत है।"

क्लाइड़ ने सिर हिलाया, अपनी जैकेट को अपने चारों ओर कसते हुए वह ठंडे पत्थर पर पीछे की ओर झुक गया। उसके विचार बार-बार केस, डॉ. फ़ोरशॉ के अजीब संदेशों और उसके पेट में बसी बेचैनी भरी भावना पर लौट रहे थे। इस जगह के बारे में कुछ गड़बड़ थी - कुछ भयावह जिसे वह शब्दों में बयां नहीं कर सकता था। हवा बाहर एक रोते हुए भूत की तरह चिल्ला रही थी, और वह यह महसूस करने से खुद को रोक नहीं पाया कि यह सिर्फ़ एक तूफ़ान नहीं था।

"राजेंद्र," क्लाइड़ ने एक बार फिर चुप्पी तोड़ते हुए बड़बड़ाया। "क्या आपको लगता है कि यह संभव है कि फ़ोरशॉ का गायब होना... सिर्फ़ उसके खो जाने का मामला नहीं है? क्या होगा अगर... क्या होगा अगर इसमें कुछ और भी हो?"

राजेंद्र ने उसकी ओर देखा, उसके चेहरे पर थकान साफ़ झलक रही थी, लेकिन उसकी आँखें तेज़ थीं। "क्या मतलब है तुम्हारा?"

"मुझे नहीं पता... यह बस एक ऐसी भावना है जो मुझे परेशान कर रही है। फ़ोरशॉ एक अनुभवी शोधकर्ता थे। वे यूं ही खो नहीं गए होंगे। कुछ न कुछ निशान छोड़े बिना नहीं। और फिर संदेश भी है। ऐसा लग रहा था जैसे वे किसी को चेतावनी देने की कोशिश कर रहे थे।"

राजेंद्र ने क्लाइड़ के शब्दों पर ध्यान से विचार किया, उसकी भौंहें सिकुड़ गईं। "तुम सही हो सकते हो। इस सब में कुछ ऐसा है जो मुझे भी ठीक नहीं लगता। लेकिन हम इसे यहाँ ठंड में नहीं सुलझा सकते। हमें उसके आखिरी ज्ञात स्थान पर जाना होगा, या जो भी हम पा सकें, वहाँ से मामले को जोड़ना होगा।"

दोनों आदमी एक पल के लिए चुपचाप बैठे रहे, दोनों ही विचारों में खोये हुए थे। बाहर तूफ़ान और भी तेज़ हो गया था, हवा और भी ज़्यादा तेज़ चल रही थी मानो वह जीवित हो - कोई अदृश्य शक्ति उनके चारों ओर घिर रही हो।

तभी राजेंद्र ने दूर से एक छाया देखी, जो जानबूझकर, मापे हुए तरीके से बर्फ पर आगे बढ़ रही थी। पहले तो उसे लगा कि यह हवा का झोंका है जो उसकी थकी हुई आँखों पर जादू कर रहा है, लेकिन वह आकृति बहुत स्पष्ट और वास्तविक थी। उसने अपनी टॉर्च पकड़ी और उसे जलाया, जिससे अंधेरे बर्फ में रोशनी की किरण फैल गई।

क्लाइज़ ने उसकी निगाहों का अनुसरण किया, उसकी आँखें सिकुड़ गईं। "क्या बकवास है...?"

वह आकृति-काला, झुका हुआ, और अजीब तरह से लम्बा-चौड़ा-चलता रहा, जैसे-जैसे वह करीब आता गया, उसका सिल्हूट स्पष्ट होता गया। राजेंद्र की सहज प्रवृत्ति ने काम करना शुरू कर दिया, जैसे-जैसे वह आकृति करीब आती गई, उसका दिल तेज़ी से धड़कने लगा। वह इंसान नहीं था। कम से कम पूरी तरह से तो नहीं। जिस तरह से वह चल रहा था, उसमें कुछ ऐसा था-अप्राकृतिक, तरल और शिकारी।

"मेरे पीछे रहो," राजेंद्र ने धीरे से कहा, उसकी आवाज़ स्थिर थी लेकिन उसमें तत्परता का भाव था।

क्लाइज़ को दोबारा बताने की ज़रूरत नहीं पड़ी। वह जल्दी से छत की ओट में वापस चला गया और राजेंद्र को आगे बढ़ते हुए देखा, टॉर्च की किरणें तूफ़ान को चीरती हुई आगे बढ़ रही थीं।

आकृति अचानक रुक गई, मानो उसे उनकी मौजूदगी का अहसास हो गया हो। कुछ पल के लिए हवा थम गई, मानो पहाड़ ने अपनी सांस रोक ली हो। एक लंबे, तनावपूर्ण सेकंड के लिए, केवल सन्नाटा था। फिर, आकृति फिर से आगे बढ़ी - इस बार और करीब।

"कौन है वहां?" राजेंद्र ने पुकारा, उसकी आवाज स्थिर लेकिन चेतावनी से भरी थी।

आकृति ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन अब वह उनकी ओर नहीं बढ़ रही थी। इसके बजाय, ऐसा लग रहा था कि वह उनका आकलन करते हुए चक्कर लगा रही है। राजेंद्र ने सावधानी से एक कदम आगे बढ़ाया, उसका हाथ सहज रूप से उसकी जैकेट के नीचे छिपे हथियार की ओर बढ़ रहा था।

अचानक, वह आकृति भागती हुई पेड़ों के बीच से आश्चर्यजनक गति से गुज़री। राजेंद्र थोड़ा झिझका, फिर क्लाइज़ की ओर मुड़ा, जो अब गायब हो रही छाया को बड़ी आँखों से घूर रहा था।

"यह क्या बकवास था?" क्लाइज़ ने फुसफुसाते हुए कहा, उसकी आवाज़ भारी हो गयी थी।

"मुझे नहीं पता," राजेंद्र ने कहा, उसका दिमाग तेजी से घूम रहा था। "लेकिन मुझे एक बात का यकीन है - हम यहाँ अकेले नहीं हैं।"

हवा में तनाव और बढ़ गया, हवा फिर से जोर से चलने लगी, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी में सिहरन पैदा हो गई। तूफान जारी रहा, लेकिन उस पल में, दोनों लोगों को समझ में आ गया कि पहाड़ में सिर्फ़ ठंड और बर्फ़ ही नहीं है - इसमें रहस्य छिपे हैं, गहरे, प्राचीन रहस्य, और वे उन्हें उजागर करना शुरू कर रहे थे।

अगली सुबह, तूफ़ान थम गया, और उसके बाद एक घना, भारी सन्नाटा छा गया। राजेंद्र और क्लाइज़ ने बर्फ़ के बीच सावधानी से आगे बढ़ते हुए अपना ट्रेक जारी रखा, पिछली रात की घटनाएँ उनके ऊपर काले बादल की तरह मंडरा रही थीं। वे फ़ोरशॉ के कैंप में घंटों बाद पहुँचे, लेकिन वहाँ उन्होंने जो पाया, उसने उनकी सारी जानकारी बदल दी।

फ़ोरशॉ का सामान उसके टेंट के चारों ओर बिखरा हुआ था, लेकिन संघर्ष के कोई निशान नहीं थे। उसकी पत्रिका, आधी जमी हुई लेकिन बरकरार, ज़मीन पर खुली पड़ी थी। अंतिम प्रविष्टि रहस्यमय थी, लगभग भविष्यवाणी: "छायाएँ घिर रही हैं। मैं उन्हें हवा में सुन सकता हूँ, अतीत की फुसफुसाहट, लंबे समय से दबी हुई चीज़ों की। वे मुझे जाने नहीं देंगे।"

राजेंद्र ने ऊपर देखा, उसका चेहरा गंभीर था। "हमें यहाँ से निकल जाना चाहिए। इस जगह पर कुछ गड़बड़ है।"

लेकिन क्लाइज़ सुन नहीं रहा था। वह दूर से किसी चीज़ को घूर रहा था, एक आकृति जो बर्फ़ से ढकी पहाड़ी पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थी।

यह फोर्शॉ नहीं था।

यह कुछ और था। कुछ बदतर।

अध्याय 3

भूली हुई सुरंग

मैंक्रोस्टियम शहर में, लिसियर जैमिनी की सांसें संकरी सुरंग में गूंज रही थीं, जब वह अंधेरे में भाग रही थी, उसका दिल उसकी छाती में धड़क रहा था। नम हवा उसकी त्वचा से चिपकी हुई थी, फफूंद और मिट्टी की गंध से भरी हुई थी, और दमनकारी खामोशी उस पर ऐसे दबाव डाल रही थी जैसे वह एक ऐसा भार उठा रही हो जिसे वह मुश्किल से उठा पा रही हो। उसकी मंद टॉर्च की टिमटिमाती रोशनी कुछ फीट आगे ही रोशन कर रही थी, लेकिन यह सुरंग की दीवारों के दांतेदार किनारों को देखने के लिए पर्याप्त थी, जो नमी से चिकनी थीं, जो उसके करीब आ रही थीं। वह मुश्किल से अपने पैरों के नीचे ठंडे पत्थर के फर्श को देख पा रही थी, क्योंकि वह आगे बढ़ रही थी, उसके कदमों की आवाज़ ही एकमात्र चीज़ थी जो भयानक सन्नाटे को तोड़ रही थी। लेकिन वह अकेली नहीं थी।

उसके पीछे, सुरंग में कदमों की स्पष्ट आवाज़ गूंज रही थी, धीमी लेकिन निरंतर। महेंद्र एक्सक्लूडिया, उसका पूर्व सहयोगी जो अब कट्टर दुश्मन बन गया था, बहुत करीब था - बहुत करीब। उसने उसे धोखा दिया था, और अब, वह एकनिष्ठ दृढ़ संकल्प के साथ उसका पीछा कर

रहा था, जैसा कि उसने एक बार उनके साझा अतीत में किया था। उसकी भयावह उपस्थिति उसके हर कदम पर मंडरा रही थी, जो उन काले कामों की निरंतर याद दिलाती थी जो उन्होंने एक बार साथ मिलकर किए थे।

सुरंग घुमावदार थी और धरती की गहराई में जा रही थी। वे जितने गहरे गए, हवा उतनी ही दमघोंटू होती गई, अंधेरा उतना ही दमनकारी होता गया। लिसियर की टॉर्च की हल्की रोशनी दीवारों पर अजीबोगरीब, बदलती हुई परछाइयाँ डाल रही थी, जिससे उसे संदेह हो रहा था कि क्या वह कुछ देख रही थी या सुरंग ही जीवित थी, जो उसकी हर हरकत पर नज़र रख रही थी।

लिस्सियर की धड़कनें तेज़ हो गईं। अब पीछे मुड़ने का कोई रास्ता नहीं था। उसे बाहर निकलना ही था।

सुरंग उसके सामने अंतहीन रूप से फैली हुई थी, एक भूलभुलैया की तरह घुमावदार। हर मोड़ एक दूसरे अंत की ओर जाता हुआ प्रतीत होता था, फिर भी महेंद्र का कोई पता नहीं था। उसके दिमाग में संभावनाओं के बादल छा गए। क्या वह उसे खो चुकी थी? या वह बस अपने समय का इंतजार कर रहा था, सही समय का इंतजार कर रहा था?

लिसियर ने अपने डर पर काबू पाते हुए दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ना शुरू किया। लेकिन तभी उसकी नज़र किसी चीज़ पर पड़ी—कुछ ऐसा जिसने उसे वहीं रोक दिया।

आगे की धुंधली छाया में एक द्वार था - मुश्किल से दिखाई देने वाला लेकिन स्पष्ट। एक द्वार, एक रास्ता, उम्मीद की एक किरण। ऐसा लग रहा था कि यह उसे बुला रहा था, सुरंग की पहुँच से परे सुरक्षा का वादा कर रहा था। वह सिर्फ़ एक सेकंड के लिए झिझकी, फिर उस ओर बढ़ गई, उसकी धड़कनें उसके कानों में गूंज रही थीं।

लेकिन जैसे ही वह दहलीज पर पहुंची, उसके पीछे से एक धीमी, कर्कश आवाज गूंजी, जिससे उसकी रीढ़ में सिहरन दौड़ गई।

“तुम बच नहीं सकते, लिसियर। तुम कभी नहीं बच सकते।”

वह जम गई, शब्द बर्फ की तरह उसके भीतर घुस रहे थे। महेंद्र वहाँ था, सुरंग के दूर छोर पर खड़ा था, उसकी छवि धुंधली रोशनी में मुश्किल से दिखाई दे रही थी। वह उसे देख रहा था, उसके अगले कदम का इंतज़ार कर रहा था। उसकी आवाज़ ठंडी थी, किसी भी गर्मजोशी से

रहित, और उसके लहज़े में विद्वेष ने उसके अंदर एक डर का झटका दिया।

लिसियर धीरे-धीरे मुड़ी, उसका दिल उसकी छाती में धड़क रहा था। महेंद्र की आँखों में वह अंधेरा चमक रहा था जो कभी उसके साथ रहा था। वह उन सभी चीज़ों का प्रतीक था जिनसे वह डरती थी, जिनसे वह बचने की कोशिश करती थी। उनका अतीत झूठ, विश्वासघात और हिंसा से भरा हुआ था - ऐसे काम जिन्हें वे कभी नहीं बदल सकते थे, चाहे वे कितनी भी कोशिश कर लें। उसने सोचा था कि वह इन सबसे बच सकती है, लेकिन अब, ऐसा लग रहा था कि यह उसे पकड़ रहा था।

महेंद्र ने कहा, "तुम हमेशा भाग नहीं सकते," उसकी आवाज़ में मज़ाक का भाव आ गया। "तुम सालों से भाग रहे हो, लेकिन मैं तुम्हें हमेशा ढूँढ़ लेता हूँ।"

लिसियर का हाथ काँप उठा और उसने टॉर्च को और कस कर पकड़ लिया, खुद को संभालने की कोशिश करते हुए। “मैंने तुम्हें धोखा नहीं दिया, महेंद्र। तुम नहीं समझते। मुझे यह करना पड़ा।”

महेंद्र के होठों पर एक क्रूर मुस्कान आ गई। "तुम इसे सही ठहराने की हिम्मत मत करना। तुमने मुझे छोड़ने का फैसला किया। तुमने हमारी बनाई हर चीज को धोखा देने का फैसला किया। और अब, तुम्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।"

लिसियर पीछे हट गई, उसका दिमाग तेजी से आगे बढ़ रहा था क्योंकि वह बाहर निकलने का कोई रास्ता तलाश रही थी। उसके पीछे का रास्ता उसे चिढ़ा रहा था, इतना करीब, फिर भी इतना दूर। वह महेंद्र की निगाहों को अपने अंदर घुसता हुआ महसूस कर सकती थी, उसकी हर हरकत, हर विचार को महसूस कर सकती थी। ऐसा लग रहा था जैसे सुरंग ही उसकी इच्छा का विस्तार बन गई थी, एक अभेद्य जेल जो उसे हमेशा के लिए फँसा लेगी।

लेकिन वह हार नहीं मान सकती थी। अभी नहीं। सब कुछ होने के बाद भी नहीं।

उसकी आँखें दीवारों पर, उन बदलती परछाइयों पर घूम गईं जो अपने आप में एक जीवन की धड़कन लग रही थीं। सुरंग के बारे में कुछ था - कुछ अजीब, कुछ... गड़बड़। ऐसा लगा जैसे वह जीवित थी, एक दुष्ट शक्ति जो उसका, उन दोनों का इंतज़ार कर रही थी। उसे विश्वास

करना था कि कोई रास्ता है - इस दुःस्वप्न से हमेशा के लिए बचने का कोई रास्ता।

फिर, उसकी नज़र फ़र्श पर पड़ी, पत्थरों के बीच की दरारों और दरारों पर। वहाँ, छाया में छिपी हुई, कुछ था - कुछ ऐसा जो वहाँ नहीं होना चाहिए था। एक छोटी सी, धातु की वस्तु, आधी मिट्टी में दबी हुई। वह जल्दी से नीचे झुकी, उसकी उंगलियाँ काँप रही थीं, जब उसने मिट्टी को झाड़ दिया, तो एक चाबी दिखाई दी - एक अजीब, पुरानी चाबी जिस पर जटिल नक्काशी की गई थी।

लिसियर की साँस उसके गले में अटक गई। चाबी-वह जानती थी, उसने इसे पहले भी देखा था। यह वही चाबी थी जिसने उनके पुराने मुख्यालय के नीचे छिपी तिजोरी को खोला था, वह तिजोरी जहाँ उन्होंने अपने सबसे गहरे रहस्य दफनाए थे। लेकिन यह यहाँ क्यों थी? यह इस सुनसान सुरंग में क्या कर रही थी?

उसने ऊपर देखा और एक बार फिर महेंद्र की आँखों से आँखें मिलाईं। उसे लगा कि उसने उसे खोज लिया है, उसका चेहरा काला पड़ गया। "तुम क्या देख रही हो?" उसने फुसफुसाते हुए कहा।

लिसियर धीरे से खड़ी हो गई, उसके हाथ में चाबी कसकर पकड़ी हुई थी। उसने उसे कोई जवाब नहीं दिया। इसके बजाय, वह वापस दरवाजे की ओर मुड़ी, उसकी धड़कनें तेज़ हो गई थीं। चाबी ही उसकी एकमात्र उम्मीद थी, सुरंग में छिपे किसी भी ख़ौफ़नाक मंज़र से बचने का एकमात्र तरीका। लेकिन इसका इस्तेमाल करने के लिए, उसे महेंद्र के पहुँचने से पहले उस दरवाज़े तक पहुँचना होगा।

अचानक एड्रेनालाईन के विस्फोट के साथ, लिसियर मुड़ी और दरवाज़े की ओर भागी, महेंद्र के कदमों की आवाज़ उसके पीछे-पीछे आ रही थी, हमेशा की तरह बेरहम। जैसे-जैसे वह भागती गई, सुरंग फैलती और मुड़ती गई, दीवारें बंद होती गईं, लेकिन वह रुक नहीं सकी। अभी नहीं।

वह दरवाजे के पास पहुंची ही थी कि महेंद्र उसकी ओर झपटा और उसका हाथ पकड़ लिया। लेकिन लिसियर उससे कहीं तेज थी। एक झटके में उसने चाबी को ताले में फंसाया और घुमा दिया।

दरवाज़ा चरमराते हुए खुला और एक अँधेरी, संकरी गली दिखाई दी। लिसियर ने बिना किसी हिचकिचाहट के दरवाज़े से बाहर निकलकर अंदर घुसने की कोशिश की और दरवाज़ा बंद कर दिया। महेंद्र की उग्र दहाड़ सुरंग में गूंज उठी।

एक पल के लिए, वहाँ केवल सन्नाटा छा गया। लिसियर खड़ी थी, साँस लेने के लिए हाँफ रही थी, उसका दिल अभी भी उसकी छाती में धड़क रहा था। वह बच गई थी - अभी के लिए। लेकिन वह जानती थी कि महेंद्र एक्सक्लूडिया उसका पीछा करना कभी बंद नहीं करेगा। उसने एक बार उसे धोखा दिया था, और अब, वापस जाने का कोई रास्ता नहीं था।

लेकिन जैसे-जैसे वह नई सुरंग में आगे बढ़ती गई, उसे फिर से एक अजीब सा अहसास हुआ कि कोई उसे देख रहा है। इस जगह पर कुछ था - कुछ प्राचीन, कुछ ऐसा जो भूले-बिसरे तहखानों और छिपे हुए रास्तों से कहीं ज़्यादा पुराना था। यह महेंद्र की तरह ही इंतज़ार कर रहा था।

और लिस्सियर को यह एहसास हुआ कि सुरंग की असली भयावहता तो अभी शुरू ही हुई थी।

दूर से, एक धीमी, भयावह हंसी अंधेरे गलियारे में गूंजी, जिससे उसकी रीढ़ में सिहरन दौड़ गई।

लिसियर लड़खड़ाती हुई आगे बढ़ी, उसकी सांसें उखड़ी हुई थीं, जैसे वह संकरी, दमनकारी सुरंग से गुज़र रही थी। हवा में नम पत्थर की गंध

थी, और उसके कदम अंधेरे में गूंज रहे थे, जो उस खतरे की लगातार याद दिला रहे थे जो उसका पीछा कर रहा था। महेंद्र एक्सक्लूडिया बेरहम था, उसका क्रोध हर गुजरते पल के साथ बढ़ता जा रहा था। वह उसके कदमों की आवाज़ सुन सकती थी, अब वह करीब आ गया था, लेकिन उसने पीछे मुड़कर देखने से इनकार कर दिया। बर्बाद करने के लिए कोई समय नहीं था। वह पहले भी मुश्किल से उसकी पकड़ से बच पाई थी, लेकिन इस बार, वह एक और गलती बर्दाश्त नहीं कर सकती थी।

जैसे-जैसे वह सुरंग में अंदर की ओर बढ़ती गई, दीवारें उसे चारों ओर से जकड़ती हुई प्रतीत होने लगीं। उसकी टॉर्च की रोशनी टिमटिमा रही थी, जिससे भयानक छायाएँ मुड़ रही थीं और हिल रही थीं, मानो वे जीवित हों। लिसियर काँप उठी, उसे ऐसा लग रहा था कि उसे देखा जा रहा है। इस सुरंग में कुछ और भी था - कुछ प्राचीन, कुछ ऐसा जिसे वह अभी तक समझ नहीं पाई थी। उसके हाथ में अजीब सी चाबी ऊर्जा से गुनगुना रही थी, मानो वह उसे किसी अज्ञात गंतव्य की ओर ले जा रही हो।

सुरंग चौड़ी होने लगी और उसे आगे एक हल्की सी चमक दिखाई देने लगी। उसके भीतर उम्मीद की किरण जगी - शायद एक रास्ता। लेकिन जैसे ही वह सुरंग के द्वार पर पहुँचने वाली थी, एक धीमी सी

गड़गड़ाहट ने उसे वहीं जमने पर मजबूर कर दिया। यह महेंद्र नहीं था। यह कुछ और था, कुछ और कहीं ज़्यादा गहरा।

उसने एक सतर्क कदम आगे बढ़ाया, दिल की धड़कनें तेज़ हो गईं, उसे पता था कि उसका बचना सिर्फ़ महेंद्र से भागने पर ही निर्भर नहीं था, बल्कि सुरंग के गहरे रहस्यों को खोलने पर भी निर्भर था। वह सिर्फ़ अपनी ज़िंदगी के लिए नहीं लड़ रही थी - वह सच्चाई को उजागर करने के लिए लड़ रही थी।

लिसियर की सांसें रुक गईं क्योंकि एक बार फिर से गड़गड़ाहट गूंजी, ज़्यादा तेज़ और ज़्यादा ख़तरनाक, दीवारों के ज़रिए कंपन करती हुई। डर ने उसे एक दबाव की तरह जकड़ लिया। उसके हाथ काँपने लगे, और चाबी उसके हाथ से थोड़ी सी फिसल गई। वह लड़खड़ा गई, उसकी दृष्टि धुंधली हो गई और चक्कर आने लगा। सुरंग में दमनकारी हवा घुटन भरी लग रही थी, गड़गड़ाहट की आवाज़ विकृत होती जा रही थी, एक भयानक सन्नाटे के साथ मिल रही थी। फिर, उसके पैर जवाब दे गए। वह ठंडे, नम फर्श पर गिर गई, उसका शरीर भारी घबराहट के आगे झुक गया।

जब लिसियर को आखिरकार होश आया, तो उसे झटके से एहसास हुआ कि वह बचकर नहीं आई है। वह गुर्राहट, जो इतनी वास्तविक लग रही थी, एक चाल थी - एक झूठी पहचान, उसे पंगु बनाने के लिए बनाया

गया एक जाल। उसका दिमाग धुंधला था, उसके विचार खंडित थे, लेकिन अब उसे एक बात साफ समझ में आ गई थी: वह भूलभुलैया में उससे कहीं ज्यादा गहरी थी जितना उसने कभी सोचा था, और अब भागना कोई विकल्प नहीं था। उसके चारों ओर का अंधेरा और भी गहरा होता जा रहा था, और जब वह वहाँ शक्तिहीन होकर लेटी थी, तो उसे एहसास हुआ कि सुरंग के अपने ही अंधेरे इरादे थे उसके लिए।

अध्याय 4

चमकती रोशनी

मैंवेल्डोरास के भीड़ भरे शहर में शाम एक भारी पर्दे की तरह उतरी। संकरी और घुमावदार गलियाँ, जल्दबाजी में चलने वाले कदमों, फुसफुसाती हुई बातचीत और कभी-कभार चिल्लाने की आवाज़ों से भरी हुई थीं। बाज़ार की दुकानों में लोगों की चहल-पहल थी, लोग सामानों पर मोल-भाव कर रहे थे, उनकी हँसी दूर से आ रहे संगीत की गुनगुनाहट के साथ घुल-मिल रही थी। फिर भी इस जीवंत सतह के नीचे, कुछ बेचैन करने वाली चीज़ उबल रही थी। हवा में एक अदृश्य तनाव छाया हुआ था, और ऐसा लग रहा था जैसे शहर खुद अपनी साँस रोक रहा हो।

रोमियो डिसोंडो, एक निजी जासूस जो अपनी तीक्ष्ण प्रवृत्ति और सावधानीपूर्वक स्वभाव के लिए जाना जाता है, भीड़ के बीच से जानबूझकर सटीकता के साथ आगे बढ़ा। वह कम बोलने वाला व्यक्ति था, जो बेकार की बकबक में उलझने के बजाय अपने अनुभव के लेंस के माध्यम से दुनिया को देखना पसंद करता था। हालाँकि, आज रात उसकी तीक्ष्ण इंद्रियाँ हाई अलर्ट पर थीं। वेल्डोरास में कुछ गड़बड़ थी, और वह इसे हवा में महसूस कर सकता था।

उसका ध्यान दूर से आती एक टिमटिमाती रोशनी की ओर गया, जो उसके बाईं ओर एक गली से आ रही थी। यह अनियमित थी, एक लय में धड़क रही थी जो लगभग... अप्राकृतिक थी। लोग इस अजीबोगरीब घटना से अनजान होकर आगे बढ़ गए, लेकिन रोमियो की सहज बुद्धि ने उसे कुछ और ही बताया। यहाँ कुछ गहरा खेल चल रहा था।

रोमियो ने अपना फोन निकाला और उस संदेश पर नज़र डाली जो अभी-अभी आया था। यह उसके पुराने दोस्त और कभी-कभार सहयोगी रहे सुनील दामोदर का संदेश था।

"क्लेरिन कैफ़े में मुझसे मिलो। कुछ चल रहा है। -सुनील"

रोमियो ने बिना किसी हिचकिचाहट के गली की ओर रुख किया और टिमटिमाती रोशनी की ओर बढ़ गया। जैसे ही वह पास पहुंचा, उसे एहसास हुआ कि गड़बड़ी का स्रोत एक पुरानी दुकान के ऊपर टेढ़ा-मेढ़ा लटका हुआ टूटा हुआ साइनबोर्ड था। "क्लेरिन कैफे" शब्द मुश्किल से पढ़े जा सकते थे, और रोशनी उसके ऊपर लटके एक खराब बल्ब से आ रही थी, जिससे अनियमित छाया पड़ रही थी।

उसने दरवाज़ा खोला और मंद रोशनी वाले कैफ़े में प्रवेश किया। कॉफ़ी की बासी गंध हवा में किसी धातु की गंध के साथ मिल गई। अंदर शांति थी, कभी-कभी रेफ़्रिजरेटर की आवाज़ आती थी। रोमियो की आँखें जल्दी से कम रोशनी में ढल गईं, और वहाँ, कैफ़े के कोने में, उसने देखा कि सुनील एक मेज़ पर बैठा है, उसकी आँखें तत्परता के भाव से बड़ी हो गई हैं।

"रोमियो," सुनील ने जासूस के पास आते ही ऊपर देखते हुए कहा। "तुम कामयाब हो गए।"

रोमियो उसके सामने बैठ गया, उसकी तीखी नज़र उसके दोस्त के चेहरे से हटी ही नहीं। "क्या हो रहा है? तुमने कहा था कि कुछ हो रहा है।"

सुनील ने झुककर अपनी आवाज़ धीमी कर ली। "लोग गायब हो रहे हैं, रोमियो। बिना किसी निशान के गायब हो रहे हैं। लेकिन यह सब नहीं है। मैं कुछ देख रहा हूँ - कुछ ऐसा जिसे मैं समझा नहीं सकता। और मुझे लगता है कि यह शहर में चमकती रोशनी से जुड़ा है जिसे मैं देख रहा हूँ। मुझे लगता है कि वे लोगों को बुला रहे हैं, और जब वे उनका पीछा करते हैं... तो वे गायब हो जाते हैं।"

रोमियो ने जानकारी को आत्मसात करते हुए भौंहें सिकोड़ लीं। "यह कब से हो रहा है?"

"एक सप्ताह," सुनील ने जवाब दिया। "पहले तो मुझे लगा कि यह महज़ संयोग है। लेकिन फिर मैंने पैटर्न देखना शुरू किया- मेरे जानने वाले लोग, शहर के नियमित लोग, बस गायब हो रहे थे। रोशनी- वे कहीं ले जाती हैं। कहीं अँधेरे में।"

रोमियो के दिमाग में कई तरह के सवाल घूम रहे थे, जैसे कि वह सब कुछ एक साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा हो। गायब होना, चमकती हुई रोशनी और इन सबके पीछे छिपी कोई भयावह बात। लेकिन इससे पहले कि वह और सवाल पूछ पाता, एक हल्की चरमराहट के साथ दरवाज़ा खुला और क्लेरिन एक्स हौसा अंदर दाखिल हुई।

वह लंबी, संतुलित और हमेशा शांत आत्मविश्वास वाली दिखती थी। लेकिन आज रात, उसकी आँखों में कुछ अलग था - डर की एक धार जो उसके लिए नहीं थी। वह जल्दी से कमरे से बाहर निकली और बिना किसी हिचकिचाहट के बैठ गई।

"मुझे लगता है कि हम सभी एक ही चीज़ का पीछा कर रहे हैं," उसने तनाव भरी आवाज़ में कहा। "मैं भी रोशनी देख रही हूँ। और यह सिर्फ़ रोशनी नहीं है। यह एक एहसास है... जैसे कोई हमें देख रहा है, इंतज़ार

कर रहा है। ऐसा लगता है जैसे ये रोशनी हमें बुला रही है, हमें अपनी ओर खींच रही है।"

सुनील ने सिर हिलाया, उसका चेहरा गंभीर था। "यही तो मैं भी महसूस कर रहा हूँ। यह कोई अचानक आने वाली झलक नहीं है। इसके पीछे एक उद्देश्य है। एक ऐसा उद्देश्य जिसे मैं समझ नहीं पाया।"

रोमियो की नज़र अपने दो साथियों के बीच घूम रही थी। वह पहले भी कई मामलों में उन दोनों के साथ काम कर चुका था, और वह जानता था कि अगर वे दोनों इसमें शामिल थे, तो यह गंभीर था। सभी टुकड़े आपस में जुड़ने लगे थे, लेकिन अभी भी एक महत्वपूर्ण सवाल था: रोशनी और गायब होने के बीच क्या संबंध था?

"क्या तुमने कोई पैटर्न देखा है?" रोमियो ने शांत स्वर में पूछा, लेकिन उसके दिमाग में पहले से ही विचार चल रहे थे।

क्लेरिन परेशान दिख रही थी। "हाँ, रोशनी हमेशा एक ही जगह पर होती है - गलियों में, शांत सड़कों पर। वे बेतरतीब ढंग से नहीं दिखाई देती हैं। और जब भी मैं उन्हें देखती हूँ, मुझे ऐसा लगता है... खींचतान। ऐसा लगता है जैसे कोई मुझ तक पहुँचने की कोशिश कर रहा है। यह परेशान करने वाला है।"

सुनील आगे झुका। "जो लोग गायब हो गए हैं - वे सभी उन रोशनियों के पास देखे गए हैं। ऐसा लगता है कि वे उनकी ओर आकर्षित हैं। और जब वे उनका पीछा करते हैं, तो वे गायब हो जाते हैं। कोई भी उन्हें नहीं ढूँढ़ सकता। ऐसा लगता है जैसे वे कभी अस्तित्व में ही नहीं थे।"

रोमियो एक पल के लिए चुप हो गया, स्थिति की गंभीरता को समझते हुए। यह सिर्फ़ गुमशुदा लोगों का मामला नहीं था। इसमें कुछ गहरा खेल चल रहा था, कुछ अंधकारमय और दुष्टतापूर्ण, और यह इन अजीब चमकती रोशनी से जुड़ा था। उसके अंतर्मन ने उसे बताया कि जो भी हो, वे किसी ऐसी चीज़ से निपट रहे थे जो सामान्य से बहुत परे थी।

"क्या हमें पता है कि ये रोशनियाँ कहाँ से आ रही हैं?" रोमियो ने पूछा, उसका दिमाग पहले से ही अगले कदमों पर विचार कर रहा था।

सुनील और क्लेरिन ने अनिश्चित नज़रों से एक दूसरे को देखा। "हमें नहीं पता," सुनील ने स्वीकार किया। "लेकिन क्लेरिन के कैफ़े के आस-पास के इलाके में कुछ खास बात है। मैं देख रहा हूँ, और यहाँ रोशनी ज़्यादा बार दिखाई देती है। ऐसा लगता है जैसे वे इस जगह की ओर आकर्षित हो रही हैं।"

क्लेरिन ने सिर हिलाया। "मुझे लगता है कि हमें स्रोत तक जाने की ज़रूरत है। हमें यह पता लगाने की ज़रूरत है कि रोशनी कहाँ से आ रही है।"

रोमियो खड़ा हो गया, उसका चेहरा दृढ़ निश्चय से दृढ़ था। "तो चलो। हम सत्य को खोज लेंगे। लेकिन हमें एक साथ रहना होगा। जो भी हो, हम नहीं जानते कि हम किससे मुकाबला कर रहे हैं।"

वे तीनों कैफ़े से बाहर निकले और शाम की ठंडी हवा में कदम रखा। वेल्डोरस शहर ऊर्जा से भरा हुआ लग रहा था, फिर भी सड़कें अब अलग लग रही थीं, जैसे कि सतह के ठीक नीचे कुछ छिपा हुआ था। शहर की नाइटलाइफ़ की दूर की गूंज दूर, दबी हुई लग रही थी, क्योंकि वे तीनों उस गली की ओर बढ़ रहे थे जहाँ रोशनी ने पहली बार रोमियो का ध्यान खींचा था।

जैसे-जैसे वे गली के पास पहुँचते गए, चमकती रोशनी और भी स्पष्ट होती गई। यह एक अजीब लय में टिमटिमा रही थी, दीवारों पर अजीब छायाएँ बना रही थी। यह रोमियो द्वारा पहले देखी गई किसी भी रोशनी की तरह नहीं थी। पैटर्न जानबूझकर बनाया गया था, लगभग सम्मोहित करने वाला।

"क्या हो रहा है?" क्लैरिन ने पूछा, उसकी आवाज आशंका से भरी हुई थी।

रोमियो ने कुछ नहीं कहा, लेकिन आगे बढ़ गया, उसकी इंद्रियाँ हर आवाज़, हर विवरण के प्रति सजग थीं। जैसे ही वे प्रकाश के स्रोत के पास पहुँचे, उन्होंने उसे देखा - गली के अंत में एक छोटा, साधारण दरवाज़ा, एक जीर्ण-शीर्ण इमारत के पीछे। प्रकाश दरवाज़े की दरार से आ रहा था, एक भयानक चमक के साथ धड़क रहा था।

सुनील की आँखें चौड़ी हो गईं। "यही है, है न? यहीं से आ रहा है।"

रोमियो ने सिर हिलाया, उसका चेहरा गंभीर था। "हमें अंदर जाना होगा।"

क्लेरिन ने हिचकिचाते हुए, अपना हाथ दरवाज़े के हैंडल पर टिका दिया। "क्या हम इस बारे में निश्चित हैं? क्या होगा अगर यह एक जाल है?"

रोमियो की आवाज़ दृढ़ थी। "हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। अगर हम इस समस्या का सामना नहीं करेंगे, तो और भी लोग गायब हो जाएँगे। हमें इसे अभी रोकना होगा।"

उसने स्थिर हाथ से दरवाजा खोला और वे अंदर चले गये।

अंदर का हिस्सा अँधेरा था, दरवाज़े की दरार से आने वाली हल्की रोशनी ही जगह को रोशन कर रही थी। हवा घनी, भारी और अदृश्य उपस्थिति से भरी हुई लग रही थी। कमरा खाली था, बीच में एक अजीबोगरीब चीज़ को छोड़कर - किसी तरह की मशीन, जो तारों और धातु से ढकी हुई थी, जिसके अंदर से रोशनी आ रही थी।

इससे पहले कि वे कुछ कह पाते, कमरे में एक आवाज़ गूंजी, "तुम्हें नहीं आना चाहिए था।"

कमरे के कोने में छाया में लिपटा हुआ वह व्यक्ति आगे बढ़ा। उसकी आवाज़ ठंडी, खोखली और इतनी गहरी थी कि ऐसा लग रहा था कि मानो उनकी हड्डियों में गूंज रही हो।

"तुमने कुछ जगा दिया है," आकृति ने आगे कहा। "और अब, तुम हमारे साथ जुड़ोगे।"

जैसे-जैसे रोशनी तेज़ और चमकने लगी, रोमियो को बेचैनी की लहर महसूस हुई। रोशनी का रहस्य, गायब होना, यह सब कुछ उससे कहीं ज़्यादा भयावह था जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

"हमें इसे रोकना होगा," रोमियो ने धीमी और दृढ़ आवाज में कहा।

लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। दरवाज़ा उनके पीछे बंद हो गया, और रोशनी आखिरी बार चमक उठी।

Adhyay 5

रेसिंगटन गोला बारूद किट

आरइसियो रोडिंगो, एक चमत्कार, विशाल, गरजने वाले झरने के किनारे पर खड़ा था, घने जंगल के माध्यम से ट्रेक करने से उसकी साँस भारी हो गई थी। झरने के पानी से उठने वाली धुंध ने एक झिलमिलाता पर्दा बनाया, और झरने की गर्जना ने बाकी सब कुछ डुबो दिया। फिर भी, शानदार नज़ारे के बावजूद, बेचैनी की भावना ने उसे जकड़ लिया। वह तीन दिनों से झरने के क्षेत्र में था, अपने आस-पास की प्राकृतिक सुंदरता से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण चीज़ की तलाश में।

रेसिशन गोला बारूद किट.

यह एक पौराणिक कलाकृति थी, जो इतिहास में खो गई थी, लेकिन सबसे खतरनाक हलकों में इसके बारे में कानाफूसी होती थी। इस किट के बारे में अफवाह थी कि इसमें शक्तिशाली, प्राचीन हथियार हैं जो इतिहास के पाठ्यक्रम को बदलने में सक्षम हैं, यह दुनिया भर के हर भाड़े के सैनिक, दुष्ट एजेंट और आपराधिक सिंडिकेट का जुनून बन गया था। और अब, राइज़ो, एक निजी जासूस जिसकी प्रतिष्ठा सबसे

मायावी मामलों को सुलझाने के लिए है, को इसे खोजने के लिए काम पर रखा गया था।

लेकिन सिर्फ़ ख़ज़ाना ही उसे प्रेरित नहीं कर रहा था। यह खोज, पीछा करने का रोमांच था, और यह निर्विवाद तथ्य कि कोई - या कुछ - नहीं चाहता था कि यह किट मिल जाए।

"रिसियो," उसके पीछे से एक आवाज़ आई, तीखी और धीमी। रिसो ने पलटकर प्लूटर रिडस्टॉम को देखा, जो उसका पुराना साथी और कभी-कभार उसका साथी था। प्लूटर रिसो से छोटा था, लेकिन उसका दुबला शरीर धोखा देने वाला था - ज़रूरत पड़ने पर उसमें पैंथर जैसी गति और चपलता थी। उसने अपने माथे से पसीना पोंछा, उसकी नज़र झरने पर इतनी तीव्रता से केंद्रित थी जितनी रिसो की थी। "क्या तुम्हें लगता है कि यह यहीं है?"

रिज़ो ने तुरंत जवाब नहीं दिया। उसकी आँखें परिदृश्य को स्कैन कर रही थीं, गर्जन वाले झरने के चारों ओर घने जंगल। एक धुंधला, छिपा हुआ रास्ता झरने के ठीक पीछे एक छोटी सी गुफा की ओर जाता था। यह एक ऐसा स्थान था जो एक अनाम मुखबिर द्वारा सुझाया गया था - कोई ऐसा व्यक्ति जिसने किट का सटीक स्थान जानने का दावा किया था।

"यह होना ही चाहिए," रिज़ो ने कहा, उसकी आवाज़ स्थिर थी लेकिन उद्देश्य की भावना से भरी हुई थी। "मुखबिर की टिप इतनी सटीक थी कि यह गलत नहीं हो सकती। रेसिंगशन गोला बारूद किट पास में है। मैं इसे महसूस कर सकता हूँ।"

प्लाउटर ने भौंहें उठाईं, उसकी आँखों में संदेह नाच रहा था। "और अगर ऐसा नहीं है तो क्या होगा? अगर हमें किसी जाल में फंसा दिया गया है तो क्या होगा? यह पूरा क्षेत्र उनसे भरा पड़ा है - जंगली जनजातियाँ, घातक जीव और भाड़े के सैनिक जो हमें रोकने के लिए कुछ भी कर सकते हैं।"

रिज़ो ने अपने गियर को ठीक करते हुए मंद-मंद हँसी उड़ाई। "अगर यह जाल है, तो हम इससे वैसे ही निपटेंगे जैसे हम हमेशा करते हैं। लेकिन अभी, यहाँ सिर्फ़ हम और झरना है।"

तेजी से आगे बढ़ते हुए, राइज़ो झरने के पीछे गुफा की ओर जाने वाली चट्टानी भूमि पर चढ़ने लगा, और प्लाउटर ने भी उसका अनुसरण किया। हवा में नमी थी, और गुफा के पास पहुँचने पर झरने की गर्जना और तेज़ होती गई। रास्ता जोखिम भरा था, चट्टानें फिसलन भरी और असमान थीं, लेकिन एक पूर्व सैनिक और जासूस के रूप में राइज़ो के वर्षों के अनुभव ने उसकी प्रवृत्ति को निखार दिया था। वह सटीकता से

आगे बढ़ा, अपना वजन डालने से पहले प्रत्येक कदम का परीक्षण किया।

जैसे ही वे गुफा में पहुंचे, झरने की धुंध ने उन्हें भिगो दिया। गुफा के अंदर हवा ठंडी थी, जो बाहर की भीषण गर्मी से बिलकुल अलग थी। बाहर से आने वाली मंद रोशनी मुश्किल से अंधेरे में घुस पा रही थी, लेकिन राइज़ो की आँखें जल्दी से समायोजित हो गईं। दीवारों पर नक्काशी थी - शायद प्राचीन प्रतीक और चेतावनियाँ।

प्लाउटर ने अपने बैग से एक टॉर्च निकाली और उसे चालू किया, जिससे पत्थर की दीवारों पर रोशनी की किरण फैल गई। "यह ठीक नहीं लग रहा है," उसने बड़बड़ाते हुए कहा। "यह जगह सुनसान लग रही है, लेकिन कुछ गड़बड़ है।"

राइज़ो ने सहमति में सिर हिलाया, उसकी तीखी आँखें इधर-उधर घूम रही थीं। उसने बहुत पहले ही सीख लिया था कि अंतर्ज्ञान अक्सर सबसे विश्वसनीय मार्गदर्शक होता है। "अपनी आँखें खुली रखो," उसने सलाह दी। "हम यहाँ अकेले नहीं हैं।"

वे गुफा में और आगे बढ़ गए, झरने की आवाज़ मोटे पत्थरों से दब गई। दीवारों में एक अजीब सी ऊर्जा की धड़कन लग रही थी, और वे जितना अंदर गए, हवा उतनी ही दमनकारी होती गई।

गुफा के पीछे, बीच में एक छोटा सा चबूतरा बना हुआ था, जो प्रवेश द्वार से आने वाली हल्की रोशनी में नहाया हुआ था। उस चबूतरे पर रेसिंगशन गोला-बारूद किट रखी हुई थी।

किट उससे कहीं ज़्यादा शानदार थी जिसकी कल्पना राइज़ो ने कभी नहीं की थी। यह एक भारी, प्राचीन संदूक था, जिस पर जटिल पैटर्न और प्रतीक सजे हुए थे। ऐसा लग रहा था मानो इसे सदियों से छुआ नहीं गया था, फिर भी यह वहाँ था, प्लाउटर की टॉर्च की रोशनी में चमक रहा था।

रिज़ो ने सावधानी से एक कदम आगे बढ़ाया, उसका दिल उसकी छाती में धड़क रहा था। "यही है। हमने इसे पा लिया।"

लेकिन जैसे ही उसने संदूक को पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया, एक आवाज खामोशी को चीरती हुई आई - एक धीमी, कर्कश गड़गड़ाहट।

प्लाउटर की आँखें चौड़ी हो गईं, और वह घूम गया, उसकी टॉर्च गुफा के पार चली गई। गुर्राहट फिर से आई, इस बार ज़्यादा तेज़, पत्थर की दीवारों से गूंजती हुई। स्रोत अभी भी छाया में छिपा हुआ था, लेकिन राइज़ो को ख़तरा महसूस हो रहा था। कुछ या कोई नज़दीक आ रहा था।

"तैयार हो जाओ," राइज़ो ने फुसफुसाते हुए कहा, उसकी आवाज़ तनावपूर्ण थी। उसने अपनी बंदूक निकाली, अपना रुख़ अपनाने से पहले सुरक्षा की जाँच की।

अचानक, गुर्राहट के बाद कदमों की स्पष्ट आवाज़ आई - तेज़ और उद्देश्यपूर्ण। कोई बड़ी, कोई ख़तरनाक चीज़ उनकी ओर बढ़ रही थी।

अंधेरे से एक आकृति उभरी- विशालकाय, झुकी हुई, चमकती आँखों वाली। यह एक प्राणी था, आधा मनुष्य, आधा जानवर, मांसपेशियों और नसों का एक भयावह मिश्रण। जब वह गुर्रा रहा था तो उसके दाँत रोशनी में चमक रहे थे, उसकी आँखें राइज़ो और प्लाउटर पर टिकी हुई थीं।

प्लाउटर ने चाकू उठाया, उसका शरीर तैयारी में कुंडलित हो गया। "आखिर वह चीज़ क्या है?" उसने फुसफुसाते हुए कहा।

रिज़ो के पास जवाब देने का समय नहीं था। वह प्राणी आगे की ओर झपटा, उसके पंजे हवा में चीर रहे थे। रिज़ो मुश्किल से बच पाया, और प्लॉटर ने अपना चाकू उस जानवर पर घुमाया, लेकिन वह बहुत तेज़ था। दहाड़ते हुए, प्राणी ने फिर से उन पर हमला किया, जिससे प्लॉटर अपने पैरों से गिर गया।

"नीचे रहो!" राइज़ो ने चिल्लाते हुए चेतावनी देते हुए उस प्राणी के पैर पर निशाना साधा। गोली बमुश्किल उसके पैर को छू पाई, लेकिन यह जानवर को हिचकिचाने के लिए पर्याप्त थी। राइज़ो ने मौके का फ़ायदा उठाया, आगे बढ़कर उस प्राणी को ज़मीन पर गिरा दिया।

जीव गुर्राया, उसके पंजे पत्थर के फर्श पर घिस रहे थे और वह खुद को छुड़ाने की कोशिश कर रहा था। राइज़ो ने अपने दांत पीसते हुए जीव को नीचे रखने की कोशिश की, लेकिन उसकी ताकत बहुत ज़्यादा थी। प्लाउटर ने अपने पैरों पर खड़े होकर एक बड़ा पत्थर पकड़ा और उसे जीव के सिर पर पटक दिया।

जानवर दर्द से कराह उठा, एक पल के लिए वह भ्रमित हो गया, और बस यही रिज़ो की ज़रूरत थी। उसने प्राणी का गला पकड़ लिया और उसे दबा दिया, उसे काबू में करने के लिए पर्याप्त दबाव डाला। धीरे-धीरे, प्राणी का संघर्ष कमज़ोर पड़ गया, और वह अंततः लंगड़ा हो गया।

रिज़ो ने राहत की साँस ली और अपने माथे से पसीना पोंछा। "वह बहुत नज़दीक था।"

प्लाउटर ने सिर हिलाया, अभी भी उसकी साँसें संभल रही थीं। “आखिर वह चीज़ क्या थी? मैंने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं देखा।”

राइज़ो ने गिरे हुए प्राणी की ओर देखा, उसका चेहरा गंभीर था। "इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। जो बात मायने रखती है वह यह है कि हमें जल्दी से आगे बढ़ना है। किट हमारी है, लेकिन अभी हमारा काम पूरा नहीं हुआ है।"

प्लाउटर ने घबराकर कुरसी की ओर देखा। “तुम्हें लगता है कि हम सुरक्षित हैं?”

"मुझे यकीन नहीं है," राइज़ो ने स्वीकार किया। "लेकिन हमारा समय खत्म होता जा रहा है। आगे और भी ख़तरे होने की संभावना है।"

सावधानी से, रिज़ो ने एक बार फिर रेसिंगशन एम्युनिशन किट के पास पहुँचकर उसे छुआ। उसकी उँगलियाँ छाती को छू रही थीं, और उसके स्पर्श के नीचे प्राचीन, मौसम से प्रभावित बनावट को महसूस कर रही

थीं। लेकिन जैसे ही उसने उसे उठाया, उसने कुछ देखा - कुरसी के नीचे एक छिपा हुआ डिब्बा।

जैसे ही उसने चाबी खोली, उसका दिल तेज़ी से धड़कने लगा, उसमें एक छोटी सी, जटिल रूप से डिज़ाइन की गई चाबी दिखी। यह देखने में बहुत मामूली लग रही थी, लेकिन राइज़ो जानता था कि इस जगह पर किसी भी चीज़ को कम करके नहीं आँकना चाहिए।

प्लाउटर ने भौंहें उठाईं, “वह क्या है?”

राइज़ो ने चाबी को रोशनी में रखा और उसका बारीकी से निरीक्षण किया। "मुझे अभी तक नहीं पता। लेकिन यह किट का हिस्सा है। हमें यह पता लगाना होगा कि यह क्या खोलता है।"

अचानक, उनके नीचे की ज़मीन हिलने लगी और गुफा ज़ोर से हिलने लगी। छत से धूल और छोटे-छोटे पत्थर गिरने लगे और एक तेज़ गड़गड़ाहट की आवाज़ पूरी गुफा में गूंजने लगी।

“अच्छा नहीं,” राइज़ो ने बड़बड़ाते हुए कहा। “हमने कुछ ट्रिगर कर दिया है।”

उसने रेसिंगशन एम्युनिशन किट पकड़ी और चाबी जेब में रख ली। “चलो, अब चलते हैं!”

वे दोनों बाहर निकलने की ओर भागे, जैसे-जैसे गुफा उनके चारों ओर ढहने लगी, गड़गड़ाहट तेज़ होती गई। उनके पीछे, चट्टानों के टूटने और मलबे के गिरने की आवाज़ हवा में भर गई। उनका समय खत्म होता जा रहा था।

जैसे ही वे गुफा के मुहाने पर पहुँचे, रिज़ो ने अपने कंधे पर नज़र डाली। पूरी गुफा ढह रही थी, उनके ऊपर बहता भारी झरना तेज़ी से बह रहा था और पानी गुफा में घुस रहा था। उनके पास जल्दी से आगे बढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

आखिरी बार ऊर्जा के साथ वे गुफा के मुहाने से निकलकर जंगल में वापस आ गए। जब वे खुली हवा में निकले तो चारों ओर झरने की गर्जना होने लगी और उनकी सांसें फूलने लगीं।

उनके पास किट तो थी। लेकिन आगे क्या होने वाला था, यह एक रहस्य था जिसे सुलझाना अभी भी बाकी था।

अध्याय 6

एन्सेंसी कटाना

एसगोबी के विशाल, निर्मम रेगिस्तान से गुज़रते हुए, केवलादेव कुनेंद्रन ने अपने माथे से पसीना पोंछा, क्योंकि किसोका पर्वतों का घना कोहरा उसकी त्वचा से चिपक गया था। जैसे ही वह आगे बढ़ा, उसके जूते घने झाड़ियों में धंस गए, उसकी आँखें हर छाया, हर मुड़ी हुई शाखा को स्कैन कर रही थीं। उसकी उंगलियाँ नक्शे के चारों ओर कस गईं, जिसके किनारे सालों के इस्तेमाल से फटे और फीके पड़ गए थे। हवा में नमी, मिट्टी और सड़ते पत्तों की गंध आ रही थी, लेकिन इन सबके नीचे एक ऐसी गंध थी जिसने उसकी त्वचा को सिहरन पैदा कर दी: प्राचीन रहस्यों की अचूक आभा, सदियों से दबे खजाने की।

जापान का एन्सनी कटाना.

किंवदंती के अनुसार, इस ब्लेड को वारिंग स्टेट्स काल के दौरान किसी अज्ञात मास्टर ने गढ़ा था, इसकी धार किसी भी अन्य की तुलना में अधिक तीखी थी, इसके हैंडल पर रत्न जड़े हुए थे। कटाना समय के

साथ खो गया था, माना जाता है कि यह अब तक किसी अज्ञात व्यक्ति - रात में एक छाया - के कब्जे में था। अंडरवर्ल्ड में एक फुसफुसाहट ने केवलादेव को किसोका के विश्वासघाती स्टोवर्स में इस स्थान पर पहुँचा दिया था।

केवलादेव अंधविश्वास में विश्वास नहीं करते थे, लेकिन कटाना से जुड़ी कहानियाँ इतनी परेशान करने वाली थीं कि उनके अनुभवी दिमाग भी हिल गए। कहा जाता है कि यह शापित है, जो इसे पाने की कोशिश करता है, उसे पागलपन और मौत का सामना करना पड़ता है। लेकिन केवलादेव को एक काम करना था, और वह चुनौती से पीछे हटने वालों में से नहीं थे।

उनके साथी राजाराम मिंटू उनके पीछे-पीछे चल रहे थे, उनकी खामोश मौजूदगी उनके इर्द-गिर्द फैली अराजकता के बिल्कुल विपरीत थी। राजाराम कम बोलने वाले लेकिन कई हुनर वाले व्यक्ति थे - चुपके से काम करने में माहिर, और शायद इस खतरनाक यात्रा में केवलादेव को उन पर ही भरोसा था।

“केवलादेव,” राजाराम की आवाज़ घने सन्नाटे को चीरती हुई आई, जो सावधानी की एक धीमी सी फुसफुसाहट थी। “हम करीब आ रहे हैं। मैं यह महसूस कर सकता हूँ।”

केवलादेव ने सिर हिलाया, लेकिन कुछ नहीं कहा। घने जंगल में भयानक सन्नाटा था, पक्षियों और कीड़ों की सामान्य आवाज़ें गायब थीं। ऐसा लग रहा था मानो धरती ही अपनी साँस रोके हुए थी। वहाँ एक बेचैन करने वाली शांति थी, और केवलादेव इस भावना से छुटकारा नहीं पा सके कि कोई उन्हें देख रहा है।

राजाराम ने आगे कहा, "हमें जल्दी करना चाहिए।" "फुसफुसाहटें सिर्फ़ कटाना की शक्ति के बारे में नहीं बताती हैं। वे उन लोगों के बारे में बताती हैं जो हमसे पहले आए थे, ब्लेड की तलाश में, कभी वापस नहीं लौटे।"

केवलादेव की तीखी आँखें सिकुड़ गईं। "हम उनके जैसे नहीं हैं, राजाराम। हम कटाना ढूँढ लेंगे, और निकल जाएँगे। बस इतना ही।"

राजाराम ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उसका हाथ धीरे से अपनी बेल्ट पर लगे खंजर की ओर बढ़ा, यह कदम इतना तेज था कि केवलादेव लगभग चूक गया। वे दोनों ही जोखिमों से वाकिफ थे। लेकिन एन्सेंसी कटाना का वादा इतना बड़ा था, कि उसे अनदेखा करना बहुत मुश्किल था।

जैसे-जैसे वे स्टोवर्स ऑफ किसोका के पास पहुंचे, घना जंगल कम होने लगा, प्राचीन पत्थर के खंभों की एक श्रृंखला जो एक छिपे हुए मंदिर के प्रवेश द्वार को चिह्नित करती है - जिसे दुनिया में कुछ लोगों को छोड़कर सभी ने भुला दिया था। कोहरे के घने होने के साथ ही ऊपर का आसमान काला होता गया, जिससे दुनिया एक धुंधली छाया में बदल गई।

फिर, उन्होंने इसे देखा।

उनके सामने एक पत्थर का मेहराब दिखाई दिया, जो आइवी और काई से ढका हुआ था, जिसकी सतह सदियों की उपेक्षा के कारण खराब हो गई थी। मेहराब पर बने प्राचीन चिह्न केवलादेव के लिए समझ से परे थे, लेकिन वह हवा में इतिहास के भार को महसूस कर सकता था, जो हर कदम पर उन पर दबाव डाल रहा था।

"यही है," राजाराम ने धीरे से कहा, उसकी आवाज़ में असहजता उसके बाहरी शांत व्यक्तित्व को उजागर कर रही थी।

केवलादेव आगे बढ़ा, उसकी धड़कनें तेज़ हो गईं। हवा ठंडी होती जा रही थी, और हर कदम के साथ उसे महसूस हो रहा था कि कोई उसे देख रहा है, छाया की गहराई में छिपा हुआ। कुछ प्राचीन, कुछ दुष्ट। लेकिन वह दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ा।

जैसे ही वे मेहराब से गुज़रे, माहौल बदल गया और दुनिया बदलती हुई नज़र आई। कोहरा गायब हो गया और उसकी जगह लगभग अप्राकृतिक शांति छा गई। उनके पैरों के नीचे पत्थर का रास्ता टूट गया था, जो एक अंधेरी, खुली गुफा की ओर जाता था।

वहाँ, गुफा के बीच में, एक वेदी खड़ी थी। उस पर एन्सेनी कटाना रखा हुआ था, जो एक फीकी, डरावनी रोशनी से चमक रहा था। ब्लेड किसी भी ऐसे ब्लेड से अलग था जिसे केवलादेव ने पहले कभी नहीं देखा था - इसका स्टील नीले रंग की एक अप्राकृतिक छाया थी, और इसकी मूठ जटिल पैटर्न में लिपटी हुई थी, लगभग ऐसा लगता था जैसे तलवार खुद जीवित थी।

कटाना से शक्ति निकलती थी, जो इसे लेने का साहस करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए विनाश का मूक वादा था।

राजाराम हिचकिचाया, उसका हाथ अभी भी खंजर के पास मँडरा रहा था। “यह बहुत आसान है,” उसने बुदबुदाया। “यह एक जाल हो सकता है।”

केवलादेव ने उसकी बात अनसुनी कर दी और दृढ़ निश्चय के साथ वेदी की ओर बढ़ गया। जैसे ही उसकी उँगलियाँ तलवार की मूठ को छूती हैं, अचानक हवा का झोंका गुफा में घुस जाता है, जिससे वे अपने साथ लाई हुई धुंधली रोशनी को बुझा देते हैं। हवा में एक अजीब सी ऊर्जा भर जाती है और उनके पैरों के नीचे की ज़मीन काँप उठती है।

तभी आवाज़ आई.

यह आवाज़ धीमी, कर्कश और द्वेष से भरी हुई थी। ऐसा लग रहा था कि यह आवाज़ उनके चारों ओर से आ रही थी, और गुफा की दीवारों से गूंज रही थी।

“मूर्ख... जो तुम्हारा नहीं है उसे लेने की हिम्मत तुम कर रहे हो?”

केवलादेव का दिल धड़क उठा। उसने इधर-उधर देखा, लेकिन कोई नहीं दिखा। आवाज़ एक प्रेत की तरह थी, जिसका स्रोत अस्पष्ट था।

अचानक, उनके नीचे ज़मीन फट गई, और छाया से एक आकृति उभरी - एक लंबा, लबादा पहने हुए आदमी, उसका चेहरा उसके हुड की तहों के नीचे छिपा हुआ था। उसकी उपस्थिति ज़बरदस्त थी, उसकी काली ऊर्जा की आभा उनके चारों ओर की हवा को गाढ़ा कर रही थी।

राजाराम पीछे हट गया और सहज रूप से अपने हथियार की ओर बढ़ा। “तुम कौन हो?” उसने पूछा, बढ़ते तनाव के बावजूद उसकी आवाज़ स्थिर थी।

वह व्यक्ति हंसा, उसकी आवाज सूखी पत्तियों की सरसराहट जैसी थी। "मैं कटाना का रक्षक हूँ। तुमने मेरे क्षेत्र में अतिक्रमण किया है, और इसके लिए तुम्हें कीमत चुकानी पड़ेगी।"

अपनी कलाई के एक झटके से उस आकृति ने अपना हाथ ऊपर उठाया और उनके चारों ओर की हवा हिल गई। गुफा के पत्थर भी जीवित हो उठे, सांपों की तरह जमीन से ऊपर उठकर उनके चारों ओर मुड़ने और कुंडली मारने लगे। केवलादेव और राजाराम के पास प्रतिक्रिया करने का समय ही नहीं था कि पत्थर की लटें उनकी ओर बढ़ने लगीं।

राजाराम ने अपने खंजर से पत्थरों पर वार किया, लेकिन वे बहुत तेज़ और बहुत ज़्यादा थे। उनमें से एक खंजर उसके हाथ में लिपट गया, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ज़मीन पर गिर गया। केवलादेव ने अपना खंजर निकाला और पत्थर को आसानी से काट दिया, लेकिन उस आकृति की शक्ति बहुत ज़्यादा थी।

"यह जगह छोड़ दो," आकृति ने गुर्राते हुए कहा। "कटाना तुम्हारा नहीं होगा।"

केवलादेव की आँखों में दृढ़ निश्चय झलक रहा था। "राजाराम!" वह चिल्लाया। "उठो! हमें उसे नीचे उतारना है।"

राजाराम ने पत्थर की टहनियों से संघर्ष करते हुए सिर हिलाया, उसका चेहरा पीला लेकिन दृढ़ था। "मैं तुम्हारे साथ हूँ, केवलादेव। हमें इसे ख़त्म करना है।"

साथ मिलकर, उन्होंने रक्षक पर हमला किया, सटीकता और क्रोध के साथ हमला किया। लेकिन वह व्यक्ति तेज़ था, उसकी हरकतें लगभग अलौकिक थीं। उसने उनके वार को बिना किसी प्रयास के रोक दिया, जिससे वे प्रत्येक वार के साथ लड़खड़ा गए।

गुफा एक बार फिर हिल गई, और केवलादेव को एहसास हुआ कि जितनी देर तक वे लड़ते रहे, दीवारें उतनी ही उनके चारों ओर बंद होती गईं। कटाना, जो अब चमक रहा था, उसे पुकार रहा था, उससे अपनी शक्ति का दावा करने का आग्रह कर रहा था।

अंत में, ताकत के साथ, केवलादेव आगे बढ़ा, उसका ब्लेड संरक्षक के ब्लेड से टकराया। प्रभाव की ताकत ने गुफा में एक शॉकवेव भेजा, और एक पल के लिए, सब कुछ शांत हो गया।

तभी केवलादेव को वह रास्ता दिख गया जिसकी उसे जरूरत थी। एक तेज झटके से उसने रक्षक को निहत्था कर दिया और अपना हथियार हवा में उड़ा दिया।

रक्षक का चेहरा गुस्से से मुड़ गया और वह लड़खड़ाते हुए पीछे हट गया, लेकिन केवलादेव ने बिना समय बरबाद किए। उसने कटाना को पकड़ लिया और उसे उसके आधार से खींच लिया। जैसे ही उसकी उँगलियाँ मूठ को छूती हैं, उसके शरीर में बिजली का एक झोंका दौड़ जाता है। उसे ऐसा लगता है कि वह अजेय है, मानो कटाना का सार अब उसका हिस्सा बन गया है।

कटाना की शक्ति ने जब उसे अभिभूत कर दिया तो रक्षक पीड़ा में चिल्लाने लगा। पत्थर की वे पट्टियाँ जो कभी उन्हें बांधे हुए थीं, धूल में विलीन हो गईं और गुफा उनके चारों ओर ढहने लगी।

“केवलादेव!” राजाराम चिल्लाया और अपने पैरों पर खड़ा हो गया। “हमें अब यहाँ से निकलना होगा!”

केवलादेव ने सिर हिलाया, कटाना पर उसकी पकड़ मजबूत थी। वह महसूस कर सकता था कि उसकी शक्ति उसके अंदर से गुज़र रही है, लेकिन वह जानता था कि वे ज़्यादा देर तक नहीं रुक सकते। गिरे हुए संरक्षक पर एक आखिरी नज़र डालने के बाद, वे मुड़े और बाहर निकलने की ओर भागे।

गुफा जोर से हिलने लगी और चट्टानें गिरने लगीं, लेकिन दोनों व्यक्ति आगे बढ़ते रहे, कटाना की शक्ति के भरोसे वे आगे बढ़ते रहे।

जैसे ही वे प्रवेश द्वार के पास पहुंचे, उनके पीछे भारी कदमों की आवाज़ गूंजने लगी। केवलादेव ने पीछे मुड़कर देखा, उसका दिल तेज़ी से धड़क रहा था क्योंकि उसने दो आकृतियों को छाया से निकलते देखा: जापानी येंगशी, एक कुख्यात भाड़े का सिपाही जो ब्लेड के साथ अपने

घातक कौशल के लिए जाना जाता था, और राजन, पास के गाँव का स्थानीय राजा, जो वर्षों से गुप्त रूप से कटाना का शिकार कर रहा था।

"तुम्हें लगा कि तुम कटाना लेकर भाग सकते हो, है न?" येंगशी ने व्यंगपूर्वक कहा, उसकी आवाज़ में धमकी थी। "ब्लेड मेरा है, और मैं तुम्हें तुम्हारे अपराध की सज़ा दिलवाऊंगा।"

राजा राजन आगे बढ़े, उनकी आँखें ठंडी और गणनापूर्ण थीं। "तुम उस हथियार को लेकर नहीं जा रहे हो। यह मेरा अधिकार है। तुमने गलती की है, केवलादेव।"

केवलादेव और राजाराम ने एक दूसरे को देखा, उनके हाथ अपने हथियारों पर कस गए। उन्हें पता था कि कटाना को हासिल करने का सफ़र आसान नहीं होगा, लेकिन अब उनका सामना दो दुर्जेय दुश्मनों से था।

केवलादेव ने अविचल स्वर में कहा, "यह यहीं समाप्त होता है।"

और इसके साथ ही एन्सेन्ची कटाना के लिए लड़ाई शुरू हो गई।

जापानी सेना के कोई एक हजार सैनिक युद्धरत थे

अध्याय 7

एंडीज़ में एक सस्पेंसपूर्ण लड़ाई

टीएंडीज़ में हवा पतली थी, जो डायोलोमा फ़ेरूद की हर साँस के साथ फेफड़ों को काट रही थी। उसके जूते दांतेदार चट्टानों पर चरमरा रहे थे, बर्फीली हवाएँ उसके चारों ओर भेड़ियों की तरह गरज रही थीं जो अपने शिकार का पीछा कर रहे थे। खतरनाक पहाड़ी दर्रा आगे दिखाई दे रहा था, एक संकरी, घुमावदार पगडंडी जो उसे उस एकमात्र सड़क की ओर ले जा रही थी जो उसे उसके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य तक पहुँचा सकती थी: पैपार्ट ट्रक।

ट्रक के अंदर सूचनाओं का खजाना था - इतने महत्वपूर्ण दस्तावेज कि उनके खो जाने से पूरा भू-राजनीतिक परिदृश्य अस्त-व्यस्त हो जाएगा। कई लोगों के लिए, ये कागजात किसी भी सोने से ज़्यादा कीमती थे, जिनमें “द आई सेल्फ” के बारे में गोपनीय जानकारी थी, जो एक ऐसा छायादार समूह है जो पूरी दुनिया में अराजकता फैलाने पर आमादा है।

लेकिन कुछ और था, कुछ और भी निजी बात जिसने डायोलोमा को इस बर्फीले जंगल में धकेल दिया था। एक अपहृत लड़की। उसकी बहन, सुरेश केंद्र की बेटी, अमीना केंद्र को द आई सेल्फ के एक क्रूर गुट ने उठा लिया था, और ये दस्तावेज़ उसे वापस पाने का एकमात्र ज़रिया हो सकते थे।

वह बहुत करीब था - बहुत करीब। ट्रक का इंजन दूर से धीरे-धीरे धड़कता हुआ सुनाई दिया, और क्षितिज को देखते हुए उसकी आँखें सिकुड़ गईं। उसके पीछे, दूर से गड़गड़ाहट की आवाज़ आने वाले तूफ़ान की चेतावनी दे रही थी। समय बीतता जा रहा था।

डायोलोमा आगे बढ़ा, उसका दिमाग केंद्रित था, उसका हर कदम सोच-समझकर उठाया गया था। उसे पता था कि उसके सहयोगी, सुरेश केंद्र और राजगोपालन, कहीं उसके पीछे थे, ट्रक के करीब पहुँच रहे थे। वे सभी एक साझा उद्देश्य से जुड़े हुए थे–कागज़ातों को वापस पाना, लड़की को बचाना, और यह सुनिश्चित करना कि आई सेल्फ की पहुँच दुनिया में और आगे न बढ़े।

लेकिन कुछ भी उतना सरल नहीं था जितना लगता था।

सुरेश केंद्र के चेहरे पर ख़ुफ़िया दुनिया में बिताए दशकों के निशान थे, हर मोड़ पर ख़तरे से जूझते हुए। उसकी गहरी आँखें दृढ़ संकल्प से भरी हुई थीं, जब वह मोटी बर्फ़ में आगे बढ़ रहा था, तेज़ हवाएँ उसके चेहरे को हज़ारों तीखी सुइयों की तरह काट रही थीं। ट्रक के अंदर रखे दस्तावेज़ बहुत महत्वपूर्ण थे - वह यह जानता था - लेकिन उसका दिल और भी ज़्यादा तीव्र इच्छा से जल रहा था। अमीना उसकी इकलौती बेटी थी। जब उसका अपहरण हुआ था, तब उसने उसकी आँखों में खौफ़ देखा था, और वह उसे घर वापस लाने के लिए कुछ भी करेगा।

"डायोलोमा आगे है, है न?" राजगोपालन ने आवाज़ लगाई, उसकी आवाज़ हवा से दब गई, उसका बड़ा शरीर सुरेश के शरीर पर छाया हुआ था।

सुरेश ने गंभीरता से सिर हिलाया। "हाँ। वह अकेला है जो इस पहाड़ी दर्रे से होकर जाने वाला रास्ता जानता है। हमें उसे पकड़ना है। हम कोई गलती नहीं कर सकते।"

राजगोपालन का हाथ सहज ही उसकी पीठ पर टंगी राइफल पर चला गया। "हम नहीं करेंगे। इस खेल में विफलता की कोई गुंजाइश नहीं है। अगर वे दस्तावेज गलत हाथों में पड़ गए तो..." उसकी आवाज़ धीमी पड़ गई, लेकिन उसका मतलब साफ था।

"या फिर अगर आँख वाला स्व हमें अपनी ओर खींचने के लिए अमीना का इस्तेमाल करता है..." सुरेश की आवाज़ कड़ी हो गई, उसके सीने में तूफ़ान उठ रहा था। उसने अपनी मुठ्ठी बर्फ़ से ढँकी अपनी कुल्हाड़ी के हैंडल पर कस ली।

राजगोपालन ने तीव्र स्वर में सिर हिलाया, “हम उसे ढूंढ लेंगे।”

जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए, हवा तेज़ होती गई, तूफ़ान तेज़ी से आगे बढ़ता गया। पहाड़ उनके करीब आते दिख रहे थे, जिससे रास्ता संकरा होता जा रहा था और अकेलेपन का एहसास बढ़ता जा रहा था। समय उनकी उंगलियों से रेत की तरह फिसल रहा था, और हर सेकंड उन्हें असफलता की संभावना के करीब ले जा रहा था।

इस बीच, डायोलोमा फेरुद ट्रक के ऊपर संकरी पठार पर पहुँच गया था। उसकी तेज आँखों ने दुश्मन सैनिकों के काफिले को देखा, पपार्ट ट्रक के चारों ओर पहरेदार, सभी ने द आई सेल्फ का प्रतीक चिन्ह पहना हुआ था। वह लेआउट जानता था - वे छह थे, भारी हथियारों से लैस और पागल। वे आसानी से ट्रक नहीं छोड़ेंगे।

डायोलोमा एक चट्टान के पीछे दुबका हुआ उनकी हरकतें देख रहा था। उसका दिल धड़क रहा था, लेकिन उसका दिमाग शांत था। सुरेश और राजगोपालन जल्द ही आने वाले थे। उन्हें आने तक रोकना पड़ा।

उसने अपनी बेल्ट से एक छोटा सा उपकरण निकाला और उसे सक्रिय कर दिया। बर्फ से ढकी चट्टानों पर एक हल्की नीली चमक ने एक उच्च आवृत्ति संकेत उत्सर्जित किया। ध्वनि का विस्फोट गार्डों को भागने के लिए पर्याप्त था, उन्होंने अपने कान बंद कर लिए और शोर के स्रोत की तलाश करने लगे। यह एक विचलन था - डायोलोमा के लिए हमला करने का एक मौका।

वह तेजी से आगे बढ़ता हुआ छायाओं के बीच से निकल गया, उसका शरीर ठंडी रात में भूत की तरह था। वह पहले गार्ड के पास पहुंचा, इससे पहले कि वह समझ पाता कि क्या हो रहा है। गर्दन पर एक तेज वार, और गार्ड चुपचाप जमीन पर गिर गया।

डायोलोमा ने बिना किसी हिचकिचाहट के ऐसा किया। उसने गिरे हुए गार्ड की राइफल पकड़ी और अगले गार्ड को मारने के लिए उसका इस्तेमाल किया, सिर पर एक सटीक गोली चलाई। कुछ ही पलों में दो और गार्ड गिर गए, और बाकी लोग फिर से इकट्ठा होने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने डायोलोमा को कम आंका था। उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

लेकिन जैसे ही उसने पाँचवाँ गार्ड नीचे गिराया, उसकी रीढ़ की हड्डी में एक ठंडी ठंडक दौड़ गई। कुछ गड़बड़ थी - कुछ गड़बड़। उसके चारों ओर की हवा भारी, मोटी होती जा रही थी, और उसकी इंद्रियाँ उसे आगे बढ़ने के लिए चिल्ला रही थीं। वह ठीक समय पर मुड़ा और उसने देखा कि ट्रक के पीछे से एक छाया तेज़ी से निकल रही है। एक आकृति उभरी, लचीली और तेज़ - एक आदमी जो गहरे रंग के लबादे में था और जिसकी आँखें तेज़ और गणना करने वाली थीं।

"डायोलोमा फ़ेरूद," उस व्यक्ति की आवाज़ धीमी और ख़तरनाक थी, "मुझे तुमसे उम्मीद थी। लेकिन मैं देख रहा हूँ कि तुमने मुझे कम आंका है।" उस आदमी के होठों पर एक गहरी मुस्कान आ गई। "मैं केंटा हूँ, और मैं ही तय करता हूँ कि कौन जिएगा और कौन मरेगा।"

केंटा के बोलते ही, डायोलोमा की सहज बुद्धि जाग उठी। वह आगे बढ़ा, उसका चाकू चांदनी में चमक रहा था। दोनों ने एक दूसरे पर तेज, क्रूर वार किए, उनके ब्लेड घातक इरादे से चमक रहे थे।

केंटा बहुत तेज़ था - बहुत तेज़। वह आसानी से डायोलोमा के वार के इर्द-गिर्द नाचता था, हर चाल का घातक सटीकता से मुकाबला करता

था। यह सिर्फ़ कौशल नहीं था; यह एक गणना थी, एक दिमागी खेल था। डायोलोमा उस आदमी की मौजूदगी के वजन को अपने ऊपर दबाव डालते हुए महसूस कर सकता था। केंटा को ठीक से पता था कि वह क्या कर रहा था।

"क्या तुम्हें लगता है कि तुम यहाँ आकर दस्तावेज़ ले जा सकते हो?" केंटा ने व्यंग्य किया, उसकी आँखों में खुशी की चमक थी। "तुम अपनी औकात से बाहर हो।"

डायोलोमा का दिल तेजी से धड़क रहा था, लेकिन उसका ध्यान तेज था। यह कोई साधारण प्रतिद्वंद्वी नहीं था। केंटा सिर्फ एक गार्ड नहीं था - वह आई सेल्फ का हिस्सा था, और उसे ऐसी ही परिस्थितियों के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

"मैं यहाँ दस्तावेजों के लिए नहीं आया हूँ," डायोलोमा ने गुर्राते हुए कहा, उसकी आवाज़ में ज़ोर की आवाज़ थी। "मैं यहाँ अमीना के लिए आया हूँ।"

नाम सुनते ही केंटा का चेहरा एक पल के लिए जम गया। फिर उसके होठों पर और भी ज़्यादा भयावह मुस्कान आ गई। "आह, अपहृत

लड़की। वह एक दिलचस्प मोहरा है, है न? लेकिन तुम्हें क्या लगता है कि तुम उसे हमसे छीन सकते हो?"

"मुझे उसे तुमसे छीनने की ज़रूरत नहीं है," डायोलोमा ने झट से कहा। "उसे बचाना पहले से ही मेरा काम है।"

एक उग्र दहाड़ के साथ, डायोलोमा ने केंटा पर बेतहाशा वार करते हुए आगे बढ़ा। दोनों एक घातक नृत्य में बंधे हुए थे, रात में ब्लेड चमक रहे थे, प्रत्येक वार कौशल और संकल्प की परीक्षा थी। लेकिन केंटा अथक था, उसका हर कदम गणनापूर्ण और सटीक था।

अचानक, बर्फ पर बूटों के टकराने की आवाज़ डायोलोमा के कानों में पड़ी। उसने अपने कंधे पर नज़र डाली और देखा कि सुरेश केंद्र और राजगोपालन कोहरे से बाहर निकल रहे हैं, उनके हथियार खींचे हुए हैं, उनके चेहरे गंभीर लेकिन दृढ़ हैं।

“रुको, डिओलोमा!” सुरेश ने पुकारा। “हम यहाँ हैं!”

केंटा ने व्यंग्य किया। "तुम्हें लगता है कि तुम्हारे दोस्त तुम्हें बचा लेंगे? बहुत देर हो चुकी है।"

लेकिन डायोलोमा का काम अभी खत्म नहीं हुआ था। एड्रेनालाईन के बढ़ते स्तर के साथ, उसने केंटा पर हमला किया, और सुरेश और राजगोपालन के लड़ने के दौरान ही उसे पीछे धकेल दिया। राजगोपालन सबसे पहले केंटा के पास पहुंचा, उसका विशाल शरीर एक बैटरिंग रैम की ताकत के साथ दुश्मन पर टूट पड़ा। केंटा लड़खड़ा गया, लेकिन उसकी चपलता ने उसे तुरंत अपने पैरों पर वापस ला दिया।

लड़ाई जारी रही, गोलियों की बौछार, चाकू के वार और हताशा भरी चीखें। लेकिन अंत में, यह एक समन्वित हमला था जिसने केंटा को घुटनों पर ला दिया। राजगोपालन की राइफल निशाने पर लगी और दुश्मन एजेंट बेहोश होकर ज़मीन पर गिर पड़ा।

सुरेश आगे बढ़ा, उसकी नज़रें ट्रक पर टिकी थीं। “अमीना!” उसने चिल्लाकर कहा, उसकी आवाज़ में बहुत सारी भावनाएँ थीं।

पपार्ट ट्रक का दरवाज़ा बंद था, लेकिन डायोलोमा ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सुरक्षा तंत्र को निष्क्रिय कर दिया। जैसे ही दरवाज़ा खुला, अंदर से एक हल्की रोशनी ने अमीना के चेहरे को रोशन कर दिया, उसके हाथ बंधे हुए थे और उसकी आँखें डर से चौड़ी हो गई थीं।

“चाचा!” अमीना काँपती हुई आवाज़ में चिल्लाई। “मेरी मदद करो!”

सुरेश का दिल दुख रहा था और वह दौड़कर उसके पास गया और उसे ट्रक से धीरे से उठाया। “अब तुम सुरक्षित हो, अमीना। हमने तुम्हें पकड़ लिया है।”

लेकिन जब उनके चारों ओर तूफ़ान गरज रहा था, तो डायोलोमा क्षितिज की ओर देखने से खुद को रोक नहीं पाई, क्योंकि उसे पता था कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। आई सेल्फ तब तक चैन से नहीं बैठेगा जब तक कि वे अपना हक वापस नहीं ले लेते। और इसका मतलब था कि पैपार्ट दस्तावेजों और अमीना के लिए लड़ाई अभी शुरू ही हुई थी।

लेकिन फिलहाल, वे जीत चुके थे।

उसने अपनी बेल्ट से एक छोटा सा उपकरण निकाला और उसे सक्रिय कर दिया। बर्फ से ढकी चट्टानों पर एक हल्की नीली चमक ने एक उच्च आवृत्ति संकेत उत्सर्जित किया। ध्वनि का विस्फोट गार्डों को भागने के लिए पर्याप्त था, उन्होंने अपने कान बंद कर लिए और शोर के स्रोत की तलाश करने लगे। यह एक विचलन था - डायोलोमा के लिए हमला करने का एक मौका।

वह तेजी से आगे बढ़ता हुआ छायाओं के बीच से निकल गया, उसका शरीर ठंडी रात में भूत की तरह था। वह पहले गार्ड के पास पहुंचा,

इससे पहले कि वह समझ पाता कि क्या हो रहा है। गर्दन पर एक तेज वार, और गार्ड चुपचाप जमीन पर गिर गया।

डायोलोमा ने बिना किसी हिचकिचाहट के ऐसा किया। उसने गिरे हुए गार्ड की राइफल पकड़ी और अगले गार्ड को मारने के लिए उसका इस्तेमाल किया, सिर पर एक सटीक गोली चलाई। कुछ ही पलों में दो और गार्ड गिर गए, और बाकी लोग फिर से इकट्ठा होने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने डायोलोमा को कम आंका था। उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

लेकिन जैसे ही उसने पाँचवाँ गार्ड नीचे गिराया, उसकी रीढ़ की हड्डी में एक ठंडी ठंडक दौड़ गई। कुछ गड़बड़ थी - कुछ गड़बड़। उसके चारों ओर की हवा भारी, मोटी होती जा रही थी, और उसकी इंद्रियाँ उसे आगे बढ़ने के लिए चिल्ला रही थीं। वह ठीक समय पर मुड़ा और उसने देखा कि ट्रक के पीछे से एक छाया तेज़ी से निकल रही है। एक आकृति उभरी, लचीली और तेज़ - एक आदमी जो गहरे रंग के लबादे में था और जिसकी आँखें तेज़ और गणना करने वाली थीं।

"डायोलोमा फ़ेरूद," उस व्यक्ति की आवाज़ धीमी और ख़तरनाक थी, "मुझे तुमसे उम्मीद थी। लेकिन मैं देख रहा हूँ कि तुमने मुझे कम

आंका है।" उस आदमी के होठों पर एक गहरी मुस्कान आ गई। "मैं केंटा हूँ, और मैं ही तय करता हूँ कि कौन जिएगा और कौन मरेगा।"

केंटा के बोलते ही, डायोलोमा की सहज बुद्धि जाग उठी। वह आगे बढ़ा, उसका चाकू चांदनी में चमक रहा था। दोनों ने एक दूसरे पर तेज, क्रूर वार किए, उनके ब्लेड घातक इरादे से चमक रहे थे।

केंटा बहुत तेज़ था - बहुत तेज़। वह आसानी से डायोलोमा के वार के इर्द-गिर्द नाचता था, हर चाल का घातक सटीकता से मुकाबला करता था। यह सिर्फ़ कौशल नहीं था; यह एक गणना थी, एक दिमागी खेल था। डायोलोमा उस आदमी की मौजूदगी के वजन को अपने ऊपर दबाव डालते हुए महसूस कर सकता था। केंटा को ठीक से पता था कि वह क्या कर रहा था।

"क्या तुम्हें लगता है कि तुम यहाँ आकर दस्तावेज़ ले जा सकते हो?" केंटा ने व्यंग्य किया, उसकी आँखों में खुशी की चमक थी। "तुम अपनी औकात से बाहर हो।"

डायोलोमा का दिल तेजी से धड़क रहा था, लेकिन उसका ध्यान तेज था। यह कोई साधारण प्रतिद्वंद्वी नहीं था। केंटा सिर्फ एक गार्ड नहीं

था - वह आई सेल्फ का हिस्सा था, और उसे ऐसी ही परिस्थितियों के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

"मैं यहाँ दस्तावेजों के लिए नहीं आया हूँ," डायोलोमा ने गुर्राते हुए कहा, उसकी आवाज़ में ज़ोर की आवाज़ थी। "मैं यहाँ अमीना के लिए आया हूँ।"

नाम सुनते ही केंटा का चेहरा एक पल के लिए जम गया। फिर उसके होठों पर और भी ज़्यादा भयावह मुस्कान आ गई। "आह, अपहृत लड़की। वह एक दिलचस्प मोहरा है, है न? लेकिन तुम्हें क्या लगता है कि तुम उसे हमसे छीन सकते हो?"

"मुझे उसे तुमसे छीनने की ज़रूरत नहीं है," डायोलोमा ने झट से कहा। "उसे बचाना पहले से ही मेरा काम है।"

एक उग्र दहाड़ के साथ, डायोलोमा ने केंटा पर बेतहाशा वार करते हुए आगे बढ़ा। दोनों एक घातक नृत्य में बंधे हुए थे, रात में ब्लेड चमक रहे थे, प्रत्येक वार कौशल और संकल्प की परीक्षा थी। लेकिन केंटा अथक था, उसका हर कदम गणनापूर्ण और सटीक था।

अचानक, बर्फ पर जूतों के टकराने की आवाज़ डायोलोमा के कानों में पड़ी। उसने अपने कंधे के ऊपर देखा और देखा कि सुरेश केंद्र और राजगोपालन कोहरे से निकल रहे हैं।

अध्याय 8

स्नाइपर की नज़र

जेओहान्सबर्ग की क्षितिज रेखा शाम के धुंधले आसमान के सामने एक दांतेदार रेखा की तरह उभरी। नीचे की सड़कें, अपनी ही ऊर्जा से भरी हुई, उनके ऊपर चल रहे मौन युद्ध से बेखबर लग रही थीं। एरिक सियाल्ड, एक अनुभवी स्नाइपर जिसका अतीत छाया में दफन था, अपनी राइफल के लेंस से झाँक रहा था, उसकी छाती में बढ़ते तनाव के बावजूद उसकी साँस स्थिर थी। उसका लक्ष्य कोई आदमी नहीं, बल्कि एक खजाना था, और उसके दांव घातक थे।

जोहान्सबर्ग के विशाल महानगर के हृदय में एक बेजोड़ मूल्य की तिजोरी है - 100 स्वर्ण भंडारों का खजाना, जो सबसे अभेद्य किले के भीतर छिपा हुआ है। इन भंडारों पर लंबे समय से उन लोगों का कब्जा था जिनके पास शक्ति और साधन दोनों थे, लेकिन केवल सबसे कुशल लोग ही उन पर दावा कर सकते थे। इस धन में रुचि रखने वालों में फ़र्नडेल बैंगिंगो, एक पूर्व भाड़े का सिपाही जो अब प्रतिद्वंद्वी बन गया है, और रे, एक आपराधिक गिरोह का कुख्यात नेता था जिसकी क्रूरता की प्रतिष्ठा बेजोड़ थी। और अब, वह क्षण आ गया था।

छत पर जहाँ एरिक लेटा था, वहाँ बिलकुल सन्नाटा था, ऊँची गगनचुम्बी इमारतों से टकराती हवा की आवाज़ के अलावा। उसकी उँगलियाँ राइफल के स्टॉक को पकड़ रही थीं, और फ़ोकस को एडजस्ट करते समय उसकी आँखें सिकुड़ रही थीं। फ़र्नडेल बैंगिंगो आ गया था। वह उसे देख सकता था, इमारतों के बीच लटकी धुंध की पतली परत के पीछे उसका सिल्हूट मुश्किल से दिखाई दे रहा था। बैंगिंगो की प्रतिष्ठा ऐसी थी जिसे एरिक बहुत अच्छी तरह जानता था। भाड़े का सिपाही एक भूत था, जो हर काम के बाद गायब हो जाता था, पीछे सिर्फ़ फुसफुसाहट और खून छोड़ जाता था। अब, एरिक के पास यह सब खत्म करने का एक दुर्लभ अवसर था।

लेकिन वह सिर्फ़ फर्नडेल से ही नहीं निपट रहा था। रे के आदमियों को यह सुनिश्चित करने के लिए भेजा गया था कि सोना उनके कब्ज़े में रहे, और वे बिना किसी लड़ाई के इसे किसी को नहीं सौंपने वाले थे।

फर्नडेल बैंगिंगो, नीचे झुके हुए, एक तीखी, गणनात्मक निगाह से जोहान्सबर्ग के विशाल विस्तार का निरीक्षण कर रहे थे। उनकी ठंडी आँखें सड़कों पर टिमटिमा रही थीं, हर कोना एक संभावित खतरा था। आज रात गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी। उसे सोना चुराने के लिए काम पर रखा गया था, और विफलता कोई विकल्प नहीं होगा। उनके ग्राहक ने परिणाम की मांग की, और फर्नडेल ने हमेशा परिणाम दिए।

नीचे यातायात की आवाज़ें गूंज रही थीं, लेकिन वह स्थिर रहा, उसकी मांसपेशियों में एक भी हरकत उसकी स्थिति को नहीं दिखा रही थी। उसने ऐसे क्षणों के लिए प्रशिक्षण लिया था, छाया के साथ एक हो जाना। उसका मिशन स्पष्ट था - तिजोरी तक पहुँचना, रिज़र्व को वापस लाना, और बाहर निकलना। वह जानता था कि जोखिम था, और वह यह भी जानता था कि कोई उसे ऊंचाइयों से देख रहा था। एरिक सियाल्ड। वह स्नाइपर जिसकी सटीकता पौराणिक थी।

फर्नडेल को डर नहीं था, लेकिन वह सतर्क था। स्नाइपर कहीं भी हो सकता था। आज रात उसे अपनी बंदूक की ठंडी धातु भारी लग रही थी, मानो उसकी पिछली गलतियों का भार उस पर दबाव डाल रहा हो, लेकिन उसने अपने विचारों को दूर धकेल दिया। उसका लक्ष्य आगे था।

हवा में हलचल की हल्की सरसराहट ने उसे स्तब्ध कर दिया। वह उस आवाज़ को पहचान गया। रे के आदमी आ चुके थे।

स्नाइपर की ज़िंदगी एक इंतज़ार का खेल है। जैसे ही एरिक ने लेंस को एडजस्ट किया, उसके स्थिर हाथ से उसके दिमाग में चल रही लड़ाई का कोई संकेत नहीं मिला। लक्ष्य-फ़र्नडेल-करीब था। उसकी हरकतें सतर्क और सोच-समझकर की गई थीं। उसने जो भी कदम उठाया, वह नाप-

तौल कर उठाया। यही वह पल था, जिसके लिए एरिक तैयारी कर रहा था। एक ही गोली, और सोना उसके कब्जे में था।

लेकिन जैसे ही उसकी उंगली ने ट्रिगर को धीरे से दबाना शुरू किया, उसके इयरपीस में एक अपरिचित आवाज गूंजी।

“अभी गोली मत चलाओ।”

एरिक की धड़कनें तेज़ हो गईं। यह रे था। अपराधी मास्टरमाइंड ने खुद ही अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी थी। एरिक ने दबी हुई साँस में कोसा। उसने हर बदलाव का अनुमान लगा लिया था, सिवाय इसके।

“चलिए," रे की आवाज़ स्थिर आवाज़ में फूट पड़ी। “हमारे पास अब और समय नहीं है।”

फर्नडेल की आँखें क्षितिज पर टिमटिमा रही थीं। ठंडी हवा उसके चेहरे पर वार कर रही थी, लेकिन उसने अपना संयम बनाए रखा। वह इससे भी बदतर परिस्थितियों में रह चुका था। तिजोरी के प्रवेश द्वार के करीब पहुँचते ही उसकी नब्ज स्थिर हो गई। वह कोई भी समय बर्बाद

नहीं कर सकता था। वह जानता था कि स्नाइपर वहाँ बाहर इंतज़ार कर रहा था, जैसा कि रे ने उसे चेतावनी दी थी। लेकिन यह तत्काल खतरा नहीं था।

उसके पीछे की हल्की सी आवाज़ सुनकर उसका दिल तेज़ी से धड़कने लगा। उसने अपना सिर ठीक समय पर घुमाया और देखा कि छाया के बीच से तेज़ी से आगे बढ़ते हुए कुछ काले लोग थे - रे के आदमी।

रे ने उन्हें सुदृढीकरण के रूप में भेजा था। वे यह सुनिश्चित करने के लिए यहाँ थे कि फर्नडेल को सोना अपने पास रखने का मौका न मिले।

फर्नडेल की राइफल पर पकड़ मजबूत हो गई। यह अब केवल एक काम नहीं था - यह जीवित रहने का काम था। रे के आदमी तेज़ थे, बिना किसी हिचकिचाहट के मारने के लिए प्रशिक्षित थे। वे उम्मीद से कहीं ज़्यादा जल्दी उसके पास पहुँच गए थे। संतुलन बदल गया था। स्नाइपर की गोली कभी भी आ सकती थी, लेकिन फर्नडेल इसे आसान नहीं बनाने वाला था।

एरिक की धड़कनें तेज़ हो गईं जब उसने अपने नीचे हलचल देखी। लक्ष्य ने लोगों को आते हुए देखा था, लेकिन इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ा। यह हमला करने का एकदम सही समय था।

लेकिन तभी आवाज़ आई. रे की ओर से डराने वाला आदेश.

एरिक ने अपने दाँत भींच लिए, और निराशा बढ़ती जा रही थी। गोली अभी भी उसकी सीमा में थी। लेकिन रे के आदमियों ने भी फर्नडेल को घेर लिया था, और अगर उसने अभी गोली चलाई, तो वह गलत व्यक्ति को मारने का जोखिम उठा सकता था - गलती की कोई गुंजाइश नहीं थी। इस मिशन के साथ ऐसा नहीं था।

एरिक के दिमाग में कई तरह के विचार चल रहे थे, क्योंकि वह अपने विकल्पों पर विचार कर रहा था। हवा फिर से तेज़ होने लगी थी, हवा के झोंके शहर में गरज रहे थे, जिससे अराजकता का माहौल बन गया था। यह एक वरदान और एक अभिशाप दोनों था। तेज़ हवाएँ उसके शॉट की दिशा को बिगाड़ सकती थीं, लेकिन वे रे के आदमियों से उसकी स्थिति को भी छिपा सकती थीं। उसने बहुत पहले ही सीख लिया था कि स्नाइपर्स की दुनिया में धैर्य सटीकता जितना ही महत्वपूर्ण है।

एरिक ने सोच-समझकर शांत भाव से राइफल का स्कोप एडजस्ट किया। अब वह फर्नडेल को साफ-साफ देख सकता था - उसकी हरकतें तेज और अधिक उन्मत्त थीं। फर्नडेल को एहसास हो गया था कि खेल बदल चुका है और अब उसे जीवित रहने के लिए संघर्ष करना होगा।

अचानक, फर्नडेल झुक गया, एक इमारत के किनारे के पीछे गायब हो गया। एरिक ने अपनी सांस में कसम खाई। गोली चली गई। अभी के लिए।

अगले कुछ मिनट घंटों जैसे लग रहे थे क्योंकि एरिक की नसें तनावग्रस्त हो गई थीं। वह दूर से इंजनों की गड़गड़ाहट, पास आती गाड़ियों की आवाज़ें सुन सकता था। रे के आदमी करीब आ रहे थे, और फर्नडेल के पास भागने के लिए कोई जगह नहीं थी।

फ़र्नडेल की छाती में दर्द होने लगा, क्योंकि वह तिजोरी की ओर भाग रहा था। उसकी साँसें तेज़ हो रही थीं, हर एक साँस ठंडी रात की हवा में जमती हुई लग रही थी। उसका दिमाग़ तेज़ी से चल रहा था, अपने अगले कदम की गणना कर रहा था।

अपने पीछे, वह कंक्रीट पर जूतों की लयबद्ध आवाज सुन सकता था, जैसे-जैसे रे के लोग दूरी कम करते जा रहे थे।

अब उसकी पीठ पर बंधी उसकी राइफल एक बेकार वजन की तरह लग रही थी। उसके विचार सोने के भंडार में डूबे हुए थे - वह लगभग किस्मत का स्वाद चख सकता था। लेकिन उससे भी ज़्यादा, वह ज़िंदा बाहर निकलने की ज़रूरत में डूबा हुआ था। अगर वह तिजोरी तक पहले नहीं पहुँच पाया, अगर उसने सोना नहीं लिया, तो सब कुछ बेकार हो जाएगा।

आखिरी बार तेज़ी से दौड़ते हुए, फर्नडेल तिजोरी के प्रवेश द्वार पर पहुँच गया। उसके पास कार्रवाई करने के लिए सिर्फ़ कुछ सेकंड बचे थे। उसे पीछे से कदमों की आवाज़ सुनाई दे रही थी। उसने भारी दरवाज़ा खोला, बस इतना कि वह अंदर घुस सके।

अंदर, तिजोरी मंद रोशनी में चमक रही थी, सोने के भंडार अलमारियों पर बड़े करीने से रखे हुए थे। इन सबका वजन उस पर दबाव डाल रहा था, लेकिन जश्न मनाने का समय नहीं था। रे के आदमी बहुत करीब थे।

जैसे ही उसने सोना लेने की कोशिश की, कदमों की आहट ने उसे वहीं रोक दिया। वे यहाँ थे। वह अकेला नहीं था।

एरिक ने दूरबीन से देखा, उसकी उंगली ट्रिगर पर मँडरा रही थी। वह फ़र्नडेल को तिजोरी में देख सकता था, उसके कंधों में तनाव साफ़ दिख रहा था क्योंकि वह अपनी चाल चलने के लिए तैयार था। स्थिति अपने चरम पर पहुँच गई थी। एरिक गोली चलाने ही वाला था कि उसका इयरपीस एक बार फिर चटकने लगा।

“गोली मत चलाओ।”

यह फिर से रे था, उसकी आवाज़ बर्फ़ की तरह थी। "तुम्हें पता नहीं है कि तुम किससे निपट रहे हो। फ़र्नडेल को अभी मार दो, और तुम कभी सोना नहीं देख पाओगे। उसे ले जाने दो। तुम्हारा लक्ष्य वह नहीं है। तुम्हारा लक्ष्य जितना तुम सोचते हो उससे कहीं ज़्यादा नज़दीक है।"

एरिक हिचकिचाया, उसकी रीढ़ की हड्डी में एक ठंडी सिहरन दौड़ गई। स्नाइपर का कोड सरल था: लक्ष्य को खत्म करो, मिशन पूरा करो। लेकिन अब, यह इतना स्पष्ट नहीं था। वह एक बहुत बड़ा खेल खेल

रहा था, और एरिक को अचानक यह समझ में नहीं आया कि वह कहाँ खड़ा है।

फर्नडेल पर अंतिम नज़र डालते हुए, एरिक ने अपना निर्णय लिया।

फर्नडेल ने बाहर निकलने के लिए एक उन्मत्त दौड़ लगाई, सोने के भंडार का वजन उसे धीमा कर रहा था। भारी तिजोरी का दरवाज़ा उसके पीछे बंद होते ही चरमरा उठा, और वह लगभग आज़ाद हो गया। लेकिन उसके मन के पीछे, वह इस भावना को दूर नहीं कर सका कि कुछ बदल गया है।

उसकी नज़र के किनारे पर हो रही हलचल ने उसका ध्यान खींचा। रे के आदमी करीब आ रहे थे, लेकिन सोने के पीछे सिर्फ़ वे ही नहीं थे।

एरिक की राइफल उस आदमी पर ही टिकी रही जिसे वह कभी अपना प्रतिद्वंद्वी कहता था, लेकिन अब, दांव बदल चुका था। पीछे मुड़ने का कोई रास्ता नहीं था। स्नाइपर की भूमिका बदल दी गई थी। जाल बिछा दिया गया था।

और जब अंतिम गोली चली, तो जोहान्सबर्ग और उसके 100 स्वर्ण भंडार का भाग्य अधर में लटक गया।

अध्याय 9

भूमिगत रहस्य

टीमेक्सिको का चिलचिलाता सूरज ऊपर से चमक रहा था, जो साइडकेसिया के शुष्क रेगिस्तानी इलाके पर लंबी छाया डाल रहा था। बंजर भूमि के अंतहीन विस्तार के नीचे एक रहस्य छिपा हुआ था जो राष्ट्रों के भाग्य को बदल सकता था: एक छिपा हुआ 60 मील का भूमिगत ट्रैकवे और यूरेनियम भंडार जिसके बारे में बेजोड़ शुद्धता की अफवाह है। इस खजाने को खोजने का मिशन खतरनाक था, रहस्य में डूबा हुआ था और अदृश्य खतरों से सुरक्षित था।

पहेलियों को सुलझाने में माहिर एक अनुभवी खोजकर्ता ओकोहामा तुइओ ने अपनी चौड़ी टोपी को ठीक किया और परिदृश्य का निरीक्षण किया। उसके बगल में उइओप्सडिउ रिंगिया खड़े थे, जो एक तेज-तर्रार भूविज्ञानी थे, जिनका खनिजों के बारे में ज्ञान बेजोड़ था। दोनों को एक गुमनाम संगठन द्वारा ट्रैकवे और यूरेनियम भंडार का पता लगाने के लिए काम पर रखा गया था, लेकिन अपार धन का वादा खतरे के साथ आया था।

"ओकोहामा," उइओप्सडिउ ने तनावपूर्ण स्वर में कहा, "यह क्षेत्र गलत लगता है। यह बहुत शांत है।" अपनी पैनी हरी आँखों से उसने आस-पास के वातावरण को देखा और अपने बैग की पट्टियाँ ठीक कीं।

ओकोहामा ने मुस्कुराते हुए कहा, उसके चेहरे पर धूप से झुलसा हुआ कोई डर नहीं था। "शांति का मतलब है कि हम पर कम नज़रें होंगी, उइओप्सडिउ। हमें अदृश्य खतरों के बारे में चिंता करनी चाहिए।"

दोनों एक विशाल सिंकहोल के किनारे पर खड़े थे, जिसके दांतेदार किनारे अंधेरे में डूबे हुए थे। उनके द्वारा खोजे गए प्राचीन मानचित्रों के अनुसार, यह पौराणिक ट्रैकवे का प्रवेश द्वार था। सिंकहोल ढीली चट्टानों से घिरा हुआ था, जिससे उनका उतरना खतरनाक हो गया था।

"यह ट्रैकवे कई गुप्त खनन स्थलों को जोड़ने वाला है," उइओप्सडिउ ने मिट्टी में धंसे एक अजीबोगरीब धातु के टुकड़े की जांच करने के लिए झुकते हुए कहा। "लेकिन कोई इसे इतनी गहराई में छिपाने की जहमत क्यों उठाएगा?"

ओकोहामा उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गया और टुकड़े से रेत झाड़ने लगा। "सिर्फ़ किसी भी खनन स्थल से नहीं - यह यूरेनियम की

ओर जाता है। अगर अफ़वाहें सच हैं, तो यहाँ के भंडार वैश्विक शक्ति संरचना को अस्थिर कर सकते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि कोई इसे दफन रखना चाहता है।

वे धीरे-धीरे और व्यवस्थित तरीके से सिंकहोल में उतरे, रस्सियाँ उनके वजन के नीचे कराह रही थीं। जैसे-जैसे वे नीचे उतरे, हवा ठंडी और नम होती गई, जो ऊपर की चिलचिलाती गर्मी के बिल्कुल विपरीत थी। ओकोहामा की टॉर्च ने ऊबड़-खाबड़ दीवारों को रोशन कर दिया, जिससे अजीबोगरीब नक्काशी दिखाई दी जो प्राचीन और भयावह दोनों लग रही थी।

"इसे देखो," उइओप्सडिउ ने जटिल प्रतीकों पर अपनी उंगलियाँ फिराते हुए कहा। "ये प्राकृतिक नहीं हैं। कोई-या कोई चीज़-हमसे बहुत पहले यहाँ थी।"

ओकोहामा ने सिर हिलाया, उसका चेहरा गंभीर था। "यह एक चेतावनी है। हम ट्रैकवे की तलाश में आने वाले पहले व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि हर कोई जीवित नहीं बच पाया।"

सिंकहोल का निचला हिस्सा एक संकरी सुरंग में खुलता था, जिसकी दीवारें जंग लगे स्टील बीम से मजबूत की गई थीं। दूर से टपकते पानी की हल्की आवाज़ गूंज रही थी, साथ में एक धीमी, लगभग अगोचर गुनगुनाहट भी थी

“क्या तुमने सुना?” उइओप्सडिउ ने पूछा, उसकी आवाज़ फुसफुसाहट से थोड़ी ही ऊपर थी।

ओकोहामा ने सिर हिलाया और अपनी टॉर्च को और कसकर पकड़ लिया। "यह आगे से आ रहा है। पास रहो और सावधान रहो।"

सुरंग अंतहीन लग रही थी, चारों तरफ से दमनकारी अँधेरा उन पर दबाव डाल रहा था। हर आवाज़ - बजरी के फर्श पर उनके जूतों की चरमराहट, ऊपर की बीमों की कभी-कभार की चरमराहट - सीमित जगह में और भी ज़्यादा तेज़ लग रही थी।

कई घंटों की मशक्कत के बाद वे चट्टान में धंसे एक बड़े लोहे के दरवाजे तक पहुंचे। सिंकहोल की दीवारों पर बने अजीबोगरीब चिह्न इसकी सतह पर सजे हुए थे। एक जंग लगा हुआ कंट्रोल पैनल किनारे पर रखा था, जिसके बटन फीके पड़ गए थे, लेकिन फिर भी काम कर रहे थे।

पैनल की जांच करते हुए उइओप्सडिउ ने कहा, "यह ट्रैकवे का प्रवेश द्वार होना चाहिए।" "लेकिन मैं इन प्रतीकों को नहीं पहचानता। ये किसी भी ऐसी भाषा से नहीं हैं जिसका मैंने अध्ययन किया है।"

ओकोहामा आगे बढ़ा, उसकी गहरी निगाहें दरवाज़े पर टिकी थीं। "यह एक सिफर है। जिसने भी इसे बनाया है, वह नहीं चाहता था कि कोई भी अंदर आ जाए।"

उइओप्सडिउ ने उसे एक नोटबुक दी जिसमें उन प्रतीकों के रेखाचित्र भरे थे जिनका वे सामना कर चुके थे। “क्या तुम इसे हल कर सकते हो?”

ओकोहामा ने मुस्कुराते हुए कहा, उसका आत्मविश्वास अटल था। “मुझे एक मिनट दो।”

ओकोहामा के काम करते समय, उइओप्सडिउ को यह अहसास नहीं हो रहा था कि कोई उन्हें देख रहा है। पहले की गुनगुनाहट तेज़ हो गई थी, सुरंग में दिल की धड़कन की तरह गूंज रही थी। उसने अपने कंधे पर

नज़र डाली, उसकी टॉर्च अंधेरे में घूम रही थी, लेकिन वहाँ कुछ भी नहीं था।

"समझ गया," ओकोहामा ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा। दरवाजा धीरे-धीरे खुलते ही कराह उठा, और उसके पीछे एक विशाल कक्ष दिखाई दिया।

ट्रैकवे बिल्कुल वैसा नहीं था जैसा उन्होंने कभी सोचा था। अंधेरे में चमचमाती पटरियाँ फैली हुई थीं, उनकी धातु की सतह पर समय का कोई असर नहीं था। पुरानी खनन गाड़ियाँ, जो अब जंग खा चुकी हैं और छोड़ दी गई हैं, पटरियों पर खड़ी थीं, उनके अंदरूनी हिस्से टूटे हुए औजारों और मलबे से भरे हुए थे।

लेकिन जिस चीज़ ने उनका ध्यान खींचा, वह थी कमरे के दूर के छोर से आती हुई हल्की सी रोशनी। यह एक नरम, अलौकिक रोशनी थी जो गुनगुनाहट के साथ ताल मिलाती हुई लग रही थी।

"यह निश्चित रूप से यूरेनियम भंडार होगा," उइओप्सडिउ ने कहा, उनकी आवाज़ में विस्मय झलक रहा था।

जैसे-जैसे वे करीब आते गए, चमक बढ़ती गई, जिससे चट्टान में धंसे क्रिस्टलीय संरचनाओं का समूह दिखाई देने लगा। यूरेनियम के भंडार यूयोप्सड्यू ने अब तक जो कुछ भी देखा था, उससे कहीं ज़्यादा बड़े थे, उनका चमकीला हरा रंग पूरे कक्ष में भयावह छाया डाल रहा था।

“यही है,” उइओप्सडिउ ने फुसफुसाते हुए कहा, उसकी आवाज़ मुश्किल से सुनाई दे रही थी। “यह राष्ट्रों को शक्ति दे सकता है - या उन्हें नष्ट कर सकता है।”

ओकोहामा की आँखें सिकुड़ गईं। "और यही कारण है कि हमें इसे गलत हाथों से दूर रखना चाहिए।"

अचानक आई एक आवाज़ ने, जैसे पत्थर पर धातु की खरोंच ने, पल को तोड़ दिया। दोनों आदमी घूमे, उनकी टॉर्च अंधेरे को चीरती हुई निकल रही थी।

“वह क्या था?” उइओप्सडिउ ने कांपती आवाज़ में पूछा।

ओकोहामा के जवाब देने से पहले ही, छाया से एक व्यक्ति उभरा। यह एक ऐसा व्यक्ति था जो सामरिक पोशाक पहने हुए था, उसका चेहरा एक मुखौटे से छिपा हुआ था। उसके हाथ में एक हथियार था, जिसकी नली उन पर तान दी गई थी।

"जमा राशि से दूर हट जाओ," उस आदमी ने आदेश दिया, उसकी आवाज़ ठंडी और अधिकारपूर्ण थी।

ओकोहामा के दिमाग में विचार दौड़ गए। वह आदमी अकेला नहीं था; छाया से और भी आकृतियाँ उभरीं, उनके हथियार भयानक रोशनी में चमक रहे थे। रे के सिंडिकेट ने उन्हें ढूँढ़ लिया था।

ओकोहामा ने हाथ उठाते हुए कहा, "हम परेशानी नहीं चाहते। लेकिन हम आपको यह यूरेनियम नहीं लेने देंगे।"

वह आदमी एक कर्कश, कर्कश आवाज़ में हँसा। "तुम्हें लगता है कि तुम हमें रोक सकते हो? यह जमा राशि अब हमारी है।"

उइओप्सडिउ ने एक कदम पीछे हटते हुए, अपनी नज़रें ओकोहामा और सिंडिकेट के बीच घुमाते हुए कहा, “हमें क्या करना चाहिए?” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

ओकोहामा का जबड़ा कस गया। “हम लड़ते हैं।”

ओकोहामा ने जब छिपने के लिए छलांग लगाई, तो चैंबर में अफरा-तफरी मच गई। गोलियां दीवारों से टकराकर उछलीं, तीखी आवाजें चैंबर में गूंज उठीं। ओकोहामा ने जवाबी फायरिंग की, अफरा-तफरी के बावजूद उसका निशाना सटीक था।

"नीचे रहो," उसने उइओप्सडिउ पर चिल्लाया, जिसने एक अस्थायी हथियार पकड़ते हुए सिर हिलाया, जिसे उसने एक टूटे हुए खनन उपकरण से बनाया था।

लड़ाई बहुत ही क्रूर और निर्मम थी, लेकिन ओकोहामा का दृढ़ संकल्प कभी डगमगाया नहीं। उसने पहले भी इससे भी बदतर हालात का सामना किया था, और वह रे के आदमियों को जीतने नहीं देना चाहता था।

धूल के जमते ही, चैंबर में फिर से सन्नाटा छा गया। सिंडिकेट पराजित हो गया, उनके हथियार फर्श पर बिखरे पड़े थे।

उइओप्सडिउ अपने छिपने की जगह से बाहर आया, उसका चेहरा पीला लेकिन दृढ़ था। “क्या यह ख़त्म हो गया?”

ओकोहामा ने सिर हिलाया, उसकी नज़र यूरेनियम भंडार पर टिकी थी। "अभी के लिए। लेकिन हमें इस जगह को सुरक्षित करने की ज़रूरत है इससे पहले कि और भी लोग आ जाएँ।"

साथ मिलकर, उन्होंने चैंबर को सील करना शुरू कर दिया, यह सुनिश्चित करते हुए कि यूरेनियम छिपा रहेगा। जैसे-जैसे वे काम करते गए, ओकोहामा बेचैनी महसूस करने से खुद को नहीं रोक पाया। साइडकेसिया के रहस्य पूरी तरह से उजागर होने से बहुत दूर थे, और दांव पहले कभी इतने ऊंचे नहीं थे।

जैसे ही वे सुरंग से बाहर निकले, भोर की पहली किरणें क्षितिज पर चमक उठीं, रेगिस्तान को सुनहरी रोशनी से नहला दिया। मिशन पूरा हो गया था, लेकिन खतरा अभी भी टला नहीं था।

"यह तो बस शुरुआत है," ओकोहामा ने दृढ़ निश्चय से भरी आवाज़ में कहा।

उइओप्सडिउ ने सिर हिलाया, उसकी नज़र क्षितिज पर टिकी हुई थी।
“और हम तैयार रहेंगे।”

इसके साथ ही, दोनों व्यक्ति निकल पड़े, उनके दिमाग में पहले से ही आने वाली लड़ाइयों की योजनाएँ चल रही थीं। साइडकेसिया का भूमिगत रहस्य उजागर हो चुका था, लेकिन इसके रहस्य उन्हें हमेशा परेशान करते रहेंगे।

सिडेकेसिया का भूमिगत रहस्य उजागर हो चुका था, लेकिन इसके रहस्य हमेशा उन्हें परेशान करते रहेंगे।

ओकोहामा और उइओप्सडिउ रेगिस्तान में आगे बढ़ रहे थे, सुबह की धूप में उनकी परछाइयाँ लंबी होती जा रही थीं, उनकी खोज का बोझ उन पर भारी पड़ रहा था। हर कदम पर एक आशंका की भावना थी, मानो कोई अदृश्य आँखें उनकी हर हरकत पर नज़र रख रही हों।

उइओप्सडिउ ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा, "हम इसे ऐसे ही नहीं छोड़ सकते।" उनकी आवाज़ में डर और दृढ़ संकल्प का मिश्रण था।

"हमने इसे नहीं छोड़ा," ओकोहामा ने तीखी आवाज़ में जवाब दिया। "हमने चैंबर को सील कर दिया है। वह यूरेनियम कहीं नहीं जा रहा है जब तक कि कोई यह न जान ले कि कहाँ खुदाई करनी है - और क्या ढूँढ़ना है।"

उइओप्सडिउ ने अपने बैग की पट्टियाँ ठीक कीं, उसकी हरी आँखें क्षितिज की ओर घूम रही थीं। "और सिंडिकेट के बारे में क्या? रे के आदमी नहीं रुकेंगे। आपने देखा कि वे कितने तैयार थे। क्या होगा अगर उनके पास हमारे अनुमान से ज़्यादा संसाधन हों?"

"शायद वे ऐसा करते हैं," ओकोहामा ने स्वीकार किया। उसने अपने माथे से पसीना पोंछा और अपनी टोपी ठीक की। "लेकिन हमने खुद के लिए समय खरीदा है। अब, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भरोसेमंद व्यक्ति सच्चाई को जान सके।"

“कौन?” उड़ओप्सडिउ ने पूछा। “सरकारें? निगम? वे इसका ठीक वैसे ही दोहन करेंगे जैसे सिंडिकेट करता है। किसी को भी इतनी शक्ति तक पहुँच नहीं होनी चाहिए।”

एक पल के लिए ओकोहामा ने कुछ नहीं कहा। वह उड़ओप्सडिउ की झिझक को समझ गया था, लेकिन उसके अनुभव ने उसे एक निर्विवाद सत्य सिखाया था: शक्तिशाली रहस्य हमेशा के लिए दफन नहीं रहते।

ओकोहामा ने आखिरकार कहा, "हम इसका हल निकाल लेंगे। लेकिन अभी हम बचने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।"

रेगिस्तान उनके सामने अंतहीन रूप से फैला हुआ था, शुष्क हवा उनकी त्वचा से चिपकी हुई थी। जैसे-जैसे वे सिंकहोल से दूर होते गए, ज़मीन में एक हल्का कंपन महसूस हुआ। यह पहले तो सूक्ष्म था, लगभग अगोचर, लेकिन यह लगातार मजबूत होता गया।

उड़ओप्सडिउ स्तब्ध रह गया, उसका चेहरा पीला पड़ गया। “क्या तुम्हें ऐसा महसूस हो रहा है?”

ओकोहामा रुक गया और अपनी हथेली को ज़मीन पर दबाते हुए झुक गया। कंपन लयबद्ध थे, जैसे धरती के नीचे किसी विशालकाय चीज़ के चलने की आवाज़ हो।

“भूकंप?” उइओप्सडिउ ने कांपती आवाज़ में पूछा।

ओकोहामा ने अपना सिर हिलाया। “नहीं। यह अलग है।”

कंपन जिस तरह अचानक शुरू हुआ था, उसी तरह अचानक बंद भी हो गया, और अपने पीछे एक बेचैन कर देने वाली खामोशी छोड़ गया।

"चलो आगे बढ़ते हैं," ओकोहामा ने कहा, उसकी अंतःप्रज्ञा चिल्ला रही थी कि वे अभी भी खतरे में हैं।

उन्होंने अपनी गति बढ़ा दी, लेकिन उन्हें लगा कि कोई उन्हें देख रहा है। हर छाया, हर दूर की चट्टानी संरचना किसी खतरे को छुपाती हुई लग रही थी।

जब वे उस छोटे से रेगिस्तानी शहर के बाहरी इलाके में पहुँचे जहाँ से उन्होंने अपनी यात्रा शुरू की थी, तो थकान उन पर भारी पड़ गई थी। शहर में मौसम की मार झेल रही इमारतों का एक समूह था, जिनके बाहरी हिस्से सालों की लगातार धूप की वजह से फीके पड़ गए थे।

ओकोहामा ने उइओप्सडिउ को एक साधारण कैंटीना में पहुँचाया, जिसका छिलका उतरता हुआ चिन्ह हवा में धीरे-धीरे हिल रहा था। अंदर, हवा ठंडी और बासी बीयर और धूल की गंध से भरी हुई थी। कुछ स्थानीय लोग बार में बैठे थे, उनकी नज़रें कुछ देर के लिए नए लोगों पर टिकी रहीं और फिर वे अपने ड्रिंक्स पर लौट आए।

ओकोहामा बारटेंडर के पास गया, जो एक दुबला-पतला आदमी था, जिसका चेहरा मौसम के कारण खराब हो गया था और जिसकी निगाहें संदिग्ध थीं। ओकोहामा ने काउंटर पर पेसो का एक ढेर सरकाते हुए कहा, "हमें एक कमरा चाहिए।"

बारटेंडर ने घुरघुराते हुए कोने में स्थित सीढ़ी की ओर इशारा किया।

तंग कमरे में घुसते ही उइओप्सडिउ ने अपना बैग बिस्तर पर रख दिया और कुर्सी पर गिर पड़ा। “अब क्या?” उसने पूछा, उसकी आवाज़ थकान से भारी थी।

ओकोहामा ने अपने बैग से एक छोटा, एन्क्रिप्टेड सैटेलाइट फोन निकाला। उसने एक नंबर डायल किया और इंतज़ार करने लगा, उसकी उंगलियाँ मेज़ पर ढोल बजा रही थीं।

कई तनावपूर्ण सेकंड के बाद, एक आवाज़ ने उत्तर दिया, "यह एलन है।"

"एलन, यह मैं हूँ," ओकोहामा ने कहा। "मैंने इसे पा लिया है।"

दूसरी तरफ़ से एक विराम आया। “ट्रैकवे?”

"और यूरेनियम," ओकोहामा ने पुष्टि की। "यह हमारी सोच से कहीं ज़्यादा बड़ा है। लेकिन सिंडिकेट भी इस पर लगा हुआ है। वे रुकने वाले नहीं हैं।"

"समझ गया," एलन ने कहा, उसका स्वर तीखा और पेशेवर था। "मैं एक टीम जुटाऊंगा। जब तक हम नहीं पहुंच जाते, तब तक यहीं रहो।"

"ऐसा नहीं किया जा सकता," ओकोहामा ने जवाब दिया। "यहाँ सुरक्षित नहीं है। हम आगे बढ़ने के बाद निर्देशांक भेज देंगे।"

"ठीक है," एलन ने कहा। "लेकिन सावधान रहना। अगर रे को पता चल गया कि तुम ज़िंदा हो, तो वह तुम्हारे पीछे आ जाएगा।"

ओकोहामा ने कॉल समाप्त की और उइओप्सडिउ की ओर मुड़े। “सामान उठाओ। हम जा रहे हैं।”

“जा रहे हैं? हम अभी-अभी यहाँ आए हैं,” उइओप्सडिउ ने विरोध किया।

"एलन एक टीम भेज रहे हैं, लेकिन रे के लोग भी बहुत पीछे नहीं रहेंगे। हमें एक कदम आगे रहना होगा।"

अनिच्छा से, उइओप्सडिउ ने अपना सामान इकट्ठा किया। जैसे ही वे कैंटीना से बाहर निकले, परेशानी के पहले संकेत दिखाई दिए। सड़क के किनारे एक काली एसयूवी खड़ी थी, जिसकी खिड़कियों पर इतना गहरा रंग चढ़ा हुआ था कि वे शहर को आईने की तरह प्रतिबिंबित कर रही थीं।

"चलिए," ओकोहामा ने फुसफुसाते हुए उइओप्सडिउ को एक संकरी गली की ओर मोड़ दिया।

उनके पीछे एसयूवी का इंजन ज़ोरदार आवाज़ के साथ चालू हो गया।

शहर में पीछा करना अस्त-व्यस्त था, टायरों की चीख़ और पत्थरों पर जूतों की तेज़ आवाज़ हवा में गूंज रही थी। ओकोहामा ने उइओप्सडिउ

को पिछली गलियों की भूलभुलैया से गुज़ारा, इलाके के अपने ज्ञान का इस्तेमाल करके अपने पीछा करने वालों से बचने के लिए।

अंततः वे शहर के किनारे पर पहुँच गए, जहाँ एक पुरानी जीप तिरपाल के नीचे छिपी हुई थी।

"अंदर आ जाओ," ओकोहामा ने इंजन चालू करते हुए आदेश दिया, जबकि उइओप्सडिउ यात्री सीट पर बैठ गया।

जीप तेजी से चलने लगी, धूल का गुबार उड़ाते हुए वे शहर से दूर खुले रेगिस्तान में चले गए।

जैसे-जैसे सूरज ऊपर चढ़ता गया, ओकोहामा ने उइओप्सडिउ की ओर देखा, जो सफेद उंगलियों से डैशबोर्ड को पकड़ रहा था।

“यह अभी ख़त्म नहीं हुआ है,” उइओप्सडिउ ने गंभीर स्वर में कहा।

"ऐसा कभी नहीं होता," ओकोहामा ने उत्तर दिया, उसके होठों पर एक हल्की मुस्कुराहट थी।

उनके सामने सड़क अंतहीन रूप से फैली हुई थी, रेगिस्तान विशाल और अडिग था। लेकिन कहीं दूर, उत्तर और अधिक खतरे उनका इंतजार कर रहे थे।

अध्याय 10

कोस्टा रिकन षड्यंत्र

पेंटागन के कमांड सेंटर में अत्यावश्यकता का तूफान था। सैटेलाइट फीड्स टिमटिमा रहे थे और हवा में तनाव का माहौल था। एरिन डेकाथलॉन, एक सैन्य विश्लेषक, खुफिया रिपोर्ट को स्कैन करते हुए मेज के किनारे को पकड़ रही थी।

पोलोनियम-210. एक घातक रेडियोधर्मी आइसोटोप - मूक, अदृश्य, और बड़े पैमाने पर जहर देने में सक्षम। लेकिन इस बार, यह हत्या का हथियार नहीं था। यह विनाश का एक साधन था।

"ला नीब्ला नेग्रा," जनरल मैकएलिस्टर ने गंभीर स्वर में कहा। "उन्होंने एक पूरे सैन्य अड्डे को दूषित करने के लिए पर्याप्त पोलोनियम-210 प्राप्त कर लिया है। उनकी योजना? इसे अमेरिकी सुविधा की वायु आपूर्ति से जुड़े ज्वालामुखीय छिद्रों के माध्यम से छोड़ना है।"

एरिन का पेट मुड़ गया। यह सिर्फ़ हमला नहीं था। यह नरसंहार था।

मैकएलिस्टर ने आगे कहा, "हमारे पास एक सुराग है।" "फाउसर ग्रे। ज्वालामुखीय गतिविधियों में विशेषज्ञता रखने वाले भूविज्ञानी। वह छह महीने पहले गायब हो गए थे, और हमें विश्वास है कि वह उनके साथ काम कर रहे हैं।"

"एक वैज्ञानिक आतंकवादी बन गया?" एरिन ने भौंहें चढ़ाईं।

"या बंधक," मैकएलिस्टर ने जवाब दिया। "किसी भी तरह, उसे खोजो। अगर वह हमारे खिलाफ है - तो उसे खत्म कर दो।"

सैन जोस, कोस्टा रिका - मध्यरात्रि।

एरिन घने वर्षावन में रेंगती हुई चली गई, उसके जूते नम धरती में धंस गए। पोआस ज्वालामुखी दूर से गड़गड़ा रहा था, उसके पैरों के नीचे जीवंत था। खुफिया जानकारी के अनुसार, ला नीबला नेग्रा का बेस ज्वालामुखी रिज के पास एक परित्यक्त गोदाम में छिपा हुआ था - उनकी योजना को अंजाम देने के लिए एकदम सही जगह।

परिसर सामने ही था, जिसकी परिधि पर सशस्त्र सुरक्षाकर्मी गश्त कर रहे थे। नम हवा में सल्फर और रसायनों की तीखी गंध थी।

वह एक छाया की तरह आगे बढ़ी और पहले गार्ड को एक तेज वार से ढेर कर दिया। दूसरे गार्ड को प्रतिक्रिया करने का समय ही नहीं मिला था कि उसने एक सटीक वार करके उसे चुप करा दिया।

गोदाम के अंदर धातु के ड्रमों का एक भयावह चक्रव्यूह था, जिस पर विकिरण के खतरे के चिह्न अंकित थे। एक एकल कार्य केंद्र पर ब्लूप्रिंट चमक रहे थे - भूमिगत झरोखों के नक्शे जो अमेरिकी बेस की ओर ले जा रहे थे।

और इन सबके बीच में खड़ा था फाउज़र ग्रे।

लंबा, अस्त-व्यस्त, तीखी भूरी आँखों वाला वह एक साथी से ज़्यादा एक कैदी जैसा लग रहा था। उसकी कलाइयाँ धातु की हथकड़ियों से बंधी हुई थीं, और उसका चेहरा थकावट से भरा हुआ था।

एरिन ने अपनी बंदूक तान दी। “फाउसर ग्रे?”

वह चौंक गया, "तुम उनमें से नहीं हो।"

"यह निर्भर करता है," उसने कहा। "क्या आप हैं?"

इससे पहले कि वह जवाब दे पाता, इंटरकॉम पर एक आवाज गूंजी।

"पांच मिनट में विस्फोट होगा।"

एरिन की धड़कनें बढ़ गईं। "मुझे बताओ कि यह वैसा नहीं है जैसा मैं सोच रही हूँ।"

फ़ॉसर का चेहरा काला पड़ गया। "उन्होंने चार्ज सक्रिय कर दिए हैं। अगर वे फट गए, तो अति गर्म गैस पोलोनियम-210 को पूरे वायुमंडल में फैला देगी। बीस मील के दायरे में हर सैनिक कुछ ही दिनों में मर जाएगा।"

बाहर गोलीबारी शुरू हो गई। पहरेदारों ने शवों को खोज लिया था। समय बीतता जा रहा था।

फ़ॉसर की आवाज़ में ज़ोर था। "मैं इसे रोक सकता हूँ। लेकिन मुझे तुम्हारी मदद चाहिए!"

एरिन हिचकिचाई। भरोसा खतरनाक था। लेकिन उसके पास कोई विकल्प नहीं था।

"डेटोनेटर कहां है?" उसने पूछा.

"मुख्य नियंत्रण पैनल। लेकिन यह वेला से बायोमेट्रिक-लॉक है।"

"फिर हम वेला को ढूंढ लेंगे।"

वे धातु के गलियारों से गुज़रे, भूतापीय ऊष्मा से स्पंदित पाइपों के पास से गुज़रे। उल्टी गिनती का टाइमर अशुभ रूप से चमक उठा - तीन मिनट बचे थे।

हॉल के अंत में, रेमन वेला कंट्रोल पैनल पर खड़ा था। आतंकवादी नेता मुस्कुराया, उसकी उंगलियाँ अंतिम ट्रिगर पर मँडरा रही थीं।

एरिन ने अपनी बंदूक तानते हुए कहा, "कंसोल से दूर हटो।"

वेला हँसी। "बहुत देर हो गई, सेनोरा।"

इससे पहले कि वह कुछ प्रतिक्रिया कर पाती, उसने अपना हाथ डेटोनेटर पर पटक दिया।

विस्फोट से प्रतिष्ठान हिल गया। पाइपों के फटने से धातु की चीख निकली, रेडियोधर्मी भाप निकली। फर्श कांप उठा। डेटोनेटर फेल नहीं हुआ था - यह ओवरलोड हो गया था।

पोलोनियम-210 अब खतरनाक रूप से अस्थिर हो गया था।

वेला ने एरिन पर हमला किया और एक छिपा हुआ ब्लेड निकाला। लेकिन इससे पहले कि वह हमला कर पाता, फ़ॉसर ने उसे पकड़ लिया। वे कंट्रोल पैनल से टकराए, जिससे चिंगारियाँ उड़ने लगीं।

लड़ाई बहुत ही क्रूर थी। फ़ॉसर की पसलियों पर चोट लगी, लेकिन उसने पलटवार किया, उसकी मुट्ठियाँ मज़बूती से वार कर रही थीं। एरिन ने उसे मौका देते हुए गोली चला दी।

वेला अपने घाव को पकड़ते हुए गिर पड़ा, लेकिन उसकी कांपती हुई उंगलियां अंतिम प्रहार के लिए आगे बढ़ीं।

फ़ॉसर ने बिना किसी हिचकिचाहट के एक धातु का पाइप पकड़ा और उसे वेला के हाथ पर पटक दिया, जिससे उसकी उंगलियाँ टूट गईं। आतंकवादी चिल्लाया।

एरिन ने कंट्रोल पैनल की ओर रुख किया। स्क्रीन चमक उठी:

चेतावनी: रेडियोधर्मी नियंत्रण उल्लंघन

फ़ॉसर ने शाप दिया। "कोर अस्थिर है। अगर हम पोलोनियम-210 को नहीं हटाते हैं, तो पूरा वर्षावन दूषित हो जाएगा।"

तभी बाहर हलचल की झलक दिखाई दी। कोस्टा रिकन के मूल निवासी - मालेकु जनजाति - जंगल से बाहर निकले। भूरे रंग के कपड़े पहने, उनके चेहरे पर औपचारिक चिह्न लगे हुए थे। वे छाया से संघर्ष को देख रहे थे।

उनके नेता आगे बढ़े और नपे-तुले स्पेनिश में बोले, "हम इसे स्वीकार करेंगे। यह ज़हर इस ज़मीन पर नहीं होना चाहिए।"

एरिन ने हिचकिचाते हुए कहा, “यह अत्यधिक रेडियोधर्मी है।”

मालेकू नेता ने सिर हिलाया, "हम जानते हैं।"

अद्भुत सटीकता के साथ, योद्धाओं ने रेडियोधर्मी कनस्तरों को निकाला, उन्हें विशेष रूप से तैयार मिट्टी के बर्तनों में बंद कर दिया। वे तेजी से आगे बढ़े, घातक पदार्थ को मानव पहुँच से बहुत दूर ले गए - वर्षावन की निषिद्ध गुफाओं में, जहाँ कोई भी व्यक्ति जाने की हिम्मत नहीं करता था।

फॉसर ने अविश्वास में अपना सिर हिलाते हुए साँस छोड़ी। "उन्होंने बस... इसे ले लिया?"

एरिन ने अपनी बंदूक खोली। "कभी-कभी, जो लोग ज़मीन को सबसे अच्छी तरह जानते हैं, वे सबसे अच्छे रक्षक होते हैं।"

बाहर ज्वालामुखी गड़गड़ा रहा था, जो अभी-अभी जीती गई लड़ाई के प्रति उदासीन था।

विश्व बाल-बाल आपदा से बच गया।

लेकिन फ़ॉसर को एहसास हुआ कि यह यूरेनियम आइसोटोप की एक और साजिश थी जो पोलोनियम के साथ प्रतिक्रिया करती थी जिससे प्लास्टिक का पर्यावरणीय क्षरण होता था, यह रेडियोधर्मिता के खतरे को

दर्शाता था। किसी भी तरह से अमेरिका यूएफओ से मुक्त नहीं हो पाया था जो भयावह थे और भौतिकी के नियमों को चुनौती देते थे।

पाठकों के लिए एक प्रस्ताव

मेरे साथ जुड़ें सामान्य मानक संसाधनों की सदस्यता के लिए 35 रुपये और उच्च मानक संसाधनों की सदस्यता के लिए 38 रुपये

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाएँ।

यह ऑफर केवल भारतीय पाठकों के लिए उपलब्ध है

कार्यवाई के लिए बुलावा

क्या आपको यह पुस्तक पसंद आई? अमेज़न पर समीक्षा लिखें।

लेखक का नोट

टेनफोल्ड टेल्स लिखना एक अविश्वसनीय यात्रा रही है - रहस्य, सस्पेंस और अप्रत्याशित रोमांच से भरी हुई। इस संग्रह की प्रत्येक कहानी अपने आप में खड़ी है, फिर भी साथ मिलकर, वे साज़िश, खतरे और हमारे जीवन को आकार देने वाली छिपी हुई शक्तियों का एक ताना-बाना बुनती हैं।

मैं हमेशा से ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित रहा हूँ जो धारणा को चुनौती देती हैं, वास्तविकता और कल्पना के बीच की रेखाओं को धुंधला करती हैं, और पाठकों को रोमांचित करती हैं। चाहे वह समय के खिलाफ दौड़ हो, साजिश का पर्दाफाश हो, या व्याख्या से परे एक भयानक मुठभेड़ हो, टेनफोल्ड टेल्स कहानी कहने की शक्ति के लिए एक श्रद्धांजलि है - ऐसी कहानी जो अंतिम पृष्ठ के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है।

यह पुस्तक उन लोगों के लिए है जो अप्रत्याशित चीजों की चाहत रखते हैं, जो रहस्य और सस्पेंस में रोमांच पाते हैं, और जो मानते हैं कि हर कहानी में एक रहस्य छिपा होता है जिसे उजागर किया जाना चाहिए।

मेरे पाठकों के लिए - मेरे साथ इन कहानियों में कदम रखने के लिए धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि वे आपको आकर्षित करेंगी और आपको आश्चर्यचकित करेंगी। और अगर कोई विशेष कहानी आपको पसंद आती है, तो मुझे समीक्षा में आपके विचार सुनना अच्छा लगेगा - यह मेरे जैसे स्वतंत्र लेखकों के लिए बहुत मायने रखता है। अंत में मैं यही कहूंगा कि चेकमेट काउंटडाउन अब से शुरू होता है।

पढ़ने में ख़ुशी हो,

वर्धन त्रिवेदी